राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 18 दिसंबर 2024 वर्ष-7,अंक-322 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मणिपुर में सीएम के घर के पास जिंदा मोर्टार बम मिलने से हड़कंप

इंफाल । हिंसा की खबरों के बीच मणिपुर से बड़ी खबर आई है। मणिपुर के सीएम बीरेन सिंह के घर के पास एक जिंदा मोर्टार बम मिलने से हड़कंप मच गया है लोगों का कहना है कि एक रॉकेट से चलने वाला बम सोमवार रात दागा गया था लेकिन बम फटा नहीं। आज सुबह 51 एमएम का ये जिंदा मोर्टार बम मिला, जिससे इलाके में दहशत मच गई। दरअसल, मंगलवार सुबह कोईरेंगेई में एक जिंदा मोर्टार बम मिला। ये जगह लुवांगशांगबाम से एक किलोमीटर दूर है, जो कि मुख्यमंत्री सिंह के निजी आवास के करीब है। घटना की जानकारी मिलते ही एक्शन शुरू हो गया है। अधिकारियों ने इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर जांच शुरू कर दी है कि ये जिंदा बम कहां से आया और इस सीएम हाऊस के पास रखने के पीछे क्या मकसद था। एक अन्य घटना में इंफाल पूर्व में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के एक विशेष ठेकेदार के आवास के पास एक हैंड ग्रेनेड पाया गया। मामला हेंगांग थाना क्षेत्र का है।

रुपया अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंचा

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया अपने अब तक के सबसे निचले स्तर 84.91 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह विदेशी पूंजी की निकासी और घरेलू शेयर बाजारों में नरमी के बीच रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में एक पैसे टूटकर अपने सर्वकालिक निचले स्तर 84.92 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि आयातकों और विदेशी बैंकों की ओर से डॉलर की मांग के कारण रुपये पर दबाव बने रहने की आशंका है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 84.89 पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 84.92 प्रति डॉलर पर आ गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले एक पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया सोमवार को 11 पैसे की गिरावट के साथ 84.91 प्रति डॉलर के अपने सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 फीससदी की गिरावट के साथ 106.83 पर रहा।

उद्धव ठाकरे ने की वीर सावरकर को भारत रत्न देने की मांग, कांग्रेस ने किया विरोध

मुंबई (ईएमएस)। शिवसेना यूबीटी के मुखिया उद्धव ठाकरे ने वीर सावरकर को भारत रत्न देने की मांग की है। उधर कांग्रेस नेता नाना पटोले ने इसे ठाकरे का निजी मत बताया है. शिवसेना यूबीटी के मुखिया उद्धव ठाकरे द्वारा वीर सावरकर को भारत रत्न देने की मांग पर महाविकास अघाड़ी के घटक दलों के बीच ही विरोधाभास देखने को मिल रहा है। इस बीच कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने बयान देते हुए कहा है कि यह शिवसेना की पार्टी का मत हो सकता है। वहीं एकनाथ शिंदे गुट के कोटे से मंत्री बने आशीष जायसवाल ने कहा, उद्धव ठाकरे का मित्र पक्ष रोज सावरकर का अपमान कर रहा है। उनको लात मारकर पहले अलग कीजिए। जब तक आप यह करेंगे नहीं तब तक यह प्रश्न आप पूछ नहीं सकते हैं। शिवसेना यूबीटी के नेता उद्धव ठाकरे ने भारतीय जनता पार्टी से प्रश्न किया कि सावरकर को भारत रत्न क्यों नहीं दे रहे? उद्धव ठाकरे द्वारा उठाए गए सवाल पर जब कांग्रेस पार्टी के महाराष्ट्र के अध्यक्ष नाना पटोले से सवाल किया गया तो नाना पटोले ने कहा कि यह शिवसेना यूबीटी के भीतर का मामला है। हमें महाराष्ट्र के वर्तमान की चिंता है। हमें इतिहास में नहीं जाना है। महाराष्ट्र का वर्तमान खतरे में आ गया है। यह शिवसेना की पार्टी का मत हो सकता है। वहीं शिवसेना शिंदे गुट से मंत्री बने आशीष जायसवाल ने भी इस मामले पर उद्धव ठाकरे को जवाब दिया। आशीष जायसवाल ने कहा कि वीर सावरकर को भारत रत्न देना बड़ी बात नहीं है। यह होना चाहिए। यह संकोच का विषय नहीं है। यह होगा, सरकार निर्णय लेगी। उद्धव ठाकरे को कांग्रेस से पूछना चाहिए, उनका मित्र पक्ष जो है आपका सहयोगी पक्ष पहले उसे लात मारकर अलग हो जाइए। आप रोज सावरकर का अपमान करते हैं। आपका मित्र पक्ष रोज सावरकर का अपमान कर रहा है।

राज कुंद्रा अब बिटकॉइन मामले में फंसे... संपत्ति हुई कुर्क

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी के पति और बिजनेसमैन राज कुंद्रा ने बिटकॉइन घोटाले के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उनकी संपत्ति जब्त करने को लेकर आपत्ति जताई है। कुंद्रा ने कहा कि वह इस मामले में सिर्फ एक गवाह थे और उनके खिलाफ कोई ठोस सबूत नहीं है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनकी संपत्ति जब्त करने का ईडी का निर्णय उन्हें समझ में नहीं आता। कुंद्रा ने कहा, मुझे छह साल पहले इस मामले में गवाह के रूप में बुलाया गया था। मैंने सभी तथ्य ईडी को उपलब्ध कराए थे और मेरे अमित भारद्वाज के साथ किसी भी प्रकार के लेन-देन का कोई सबूत नहीं मिला। बावजूद इसके, मेरी संपत्ति जब्त कर ली गई। यह पूरी तरह अनुचित है।

बिटकॉइन और अमित भारद्वाज का मामला

राज कुंद्रा ने बताया कि वह अमित भारद्वाज से तब मिले थे जब वह एक सम्मानित व्यवसायी के रूप में पहचाने जाते थे। कुंद्रा के अनुसार, अमित बिटकॉइन माइनिंग का बड़ा विशेषज्ञ था। मैंने उसे अपने एक इजरायली मित्र से मिलवाया। इसके बाद मेरी इसमें कोई भूमिका नहीं थी।

कांग्रेस ने राज्यों के बीच जल विवादों को बढ़ावा दिया, किसानों के लिए कुछ नहीं किया: प्रधानमंत्री मोदी

जयपुर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए मंगलवार को कहा कि किसानों के नाम पर बड़ी-बड़ी बातें करने वाले न तो खुद किसानों के लिए कुछ करते हैं न ही दूसरों को कुछ करने देते हैं।

इसके साथ ही मोदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नीति विवाद की नहीं संवाद की है और वह व्यवधान में नहीं समाधान में विश्वास रखती है। मोदी राजस्थान सरकार के कार्यकाल का एक साल पूरा होने पर यहां दादिया में आयोजित 'एक वर्ष-परिणाम उत्कर्ष' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में उन्होंने ऊर्जा, सड़क व रेलवे से जुड़ी 46,300 करोड़ रुपये से अधिक की 24 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। राजस्थान के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) के कार्यान्वयन में गत कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में विलंब की ओर इशारा करते हुए मोदी ने कहा, ''ईआरसीपी को कांग्रेस ने कितना लटकाया, ये भी कांग्रेस की नीयत का प्रत्यक्ष प्रमाण है। ये किसानों के नाम पर बातें बड़ी-बड़ी करते हैं लेकिन किसानों के लिए न खुद कुछ करते हैं और न ही दूसरों को करने देते हैं।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब वे गुजरात के

मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने राज्य के अलग-अलग हिस्सों में नर्मदा नदी का पानी पहुंचाने के लिए बड़ा अभियान चलाया। मोदी ने आरोप लगाया, 'तब उसे रोकने के लिए भी कांग्रेस और कुछ एनजीओ (गैर सरकारी संगठनों) द्वारा तरह-तरह के हथकंडे अपनाए गए।'

मोदी ने कहा, 'हमारी नदियों का पानी बहकर सीमा पार चला जाता था, लेकिन हमारे किसानों को इसका लाभ नहीं मिलता था। कांग्रेस, समाधान के बजाय, राज्यों के बीच जल-विवाद को ही बढ़ावा देती रही। जराजस्थान ने तो इस कुनीति के कारण बहुत कुछ भुगता है।' उन्होंने कहा कि जैसे ही मध्य प्रदेश व राजस्थान में भाजपा की सरकार बनी तो पार्वती कालीसिंध चम्बल परियोजना एमपीकेसी लिंक परियोजना पर समझौता हो गया।

मोदी ने कहा, ''भाजपा की नीति विवाद की नहीं, संवाद की है। हम विरोध में नहीं, सहयोग में विश्वास करते हैं। हम व्यवधान में नहीं, समाधान पर यकीन करते है। इसलिए हमारी सरकार ने पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना को स्वीकृत भी किया और इसका विस्तार भी किया है।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि पार्वती, कालीसिंध, चंबल परियोजना से राजस्थान के 21 जिलों को सिंचाई के लिये पानी के साथ-साथ पेयजल भी मिलेगा और इससे राजस्थान और मध्य प्रदेश दोनों राज्यों के विकास में तेजी आएगी।

मोदी ने कहा कि बीते एक वर्ष में राजस्थान के विकास को नई गति, नई दिशा देने में मुख्यमंत्री भजनलाल और उनकी पूरी टीम ने बहुत परिश्रम किया है। उन्होंने कहा कि आज भाजपा की 'डबल इंजन' की सरकारें सुशासन का प्रतीक बन रही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा जो भी संकल्प लेती हैं उसे पूरा करने का ईमानदारी से प्रयास करती हैं। उन्होंने दावा किया, ''आज देश के लोग कह रहे हैं कि भाजपा सुशासन की गारंटी है। तभी तो एक के बाद एक राज्यों में आज भाजपा को इतना भारी जनसमर्थन मिल रहा है।'' उन्होंने कहा, ''21वीं सदी के भारत के लिए नारी का सशक्त होना बहुत जरूरी है। नारी शक्ति को मजबूत करने के लिए हम अनेक नई योजनाएं बना रहे हैं।''

मोदी खुली छत वाले वाहन में सवार होकर सभा स्थल पर पहुंचे। उनके साथ वाहन में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ भी मौजूद थे। तीनों नेताओं ने उपस्थित जनसमूह का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। कार्यक्रम में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव भी मौजूद थे।

मुकेश अंबानी और गौतम अडानी 100 बिलियन डॉलर क्लब से बाहर

*** - एलन मस्क दुनिया के सबसे बड़े अमीर**

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमीरी के लिए सबसे प्रतिष्ठित 100 बिलियन डॉलर वाले क्लब से मुकेश अंबानी और गौतम अडानी बाहर हो गए हैं। इस साल उनकी संपत्ति में मात्र 3000 करोड रुपए की वृद्धि हुई है।

कोविडड महामारी के बाद कुछ समय तक मुकेश अंबानी टॉप 10 की सूची में स्थान बनाकर रखे हुए थे। इस वर्ष मुकेश अंबानी की संपत्ति 9.76 लाख करोड रुपए की रह गई है। रिलायंस इंडस्ट्रीज पर कर्ज को लेकर निवेशकों की चिंता बढ़ी है। जिसके कारण मुकेश अंबानी की कंपनी, जो एनर्जी और रिटेल क्षेत्र में खराब प्रदर्शन का सामना करना पड़ रहा है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के दोनों शेयर पिछले 6 माह में 14 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई। जिसके कारण वह 100 बिलियन डॉलर वाले क्लब से बाहर हो गए।

देश के दूसरे उद्योगपति गौतम अडानी की कंपनियों की संपत्ति 19000 करोड रुपए घट गई है। अडानी समूह की कंपनियों के शेयर का संयुक्त मार्केट कैप 2024 में 6.2 फ़ीसदी 87805 करोड रुपए घटकर, अब मात्र 13.31 लाख करोड़ पर आ गई है। अडानी ग्रीन एनर्जी में सबसे ज्यादा गिरावट हुई है। वह भी 100 बिलियन डॉलर क्लब से बाहर हो गए हैं। इस क्लब में अब केवल 16 अमीर बचे हैं। जिनकी कुल संपत्ति 235.54 लाख करोड रुपए है। दुनिया के सबसे बड़े अमीरों की सूची में एलन मस्क हैं। जिनकी संपत्ति 39 लाख करोड रुपए से ज्यादा की है। दुनिया के दूसरे सबसे बड़े अमीर जैफ बेजोस है। जिनकी कुल नेटवर्क 20.88 लाख करोड रुपए है। मुकेश अंबानी और गौतम अडानी का 100 बिलियन क्लब से बाहर होना, भारत के लिए एक बड़ा झटका है।

'एक देश, एक चुनाव' संबंधी विधेयक लोकसभा में पेश, जेपीसी के पास भेजा जाएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने देश में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने के प्रावधान वाले विधेयक को विपक्षी दलों के भारी विरोध के बीच मंगलवार को निचले सदन में पेश किया और कहा कि इस पर व्यापक विचार-विमर्श के लिए इसे संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजा जाएगा।

कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने देश में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने के प्रावधान वाले 'संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024' और उससे जुड़े 'संघ राज्य क्षेत्र विधि (संशोधन) विधेयक, 2024' को निचले सदन में पुरःस्थापित करने के लिए रखा, जिनका विपक्षी दलों ने पुरजोर विरोध किया। सदन में मत विभाजन के बाद 'संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024' को पुरःस्थापित कर दिया गया। विधेयक को पेश किए जाने के पक्ष में 269 वोट, जबकि विरोध में 198 वोट पड़े। इसके बाद मेघवाल ने ध्वनिमत से मिली सदन की सहमति के बाद 'संघ राज्य क्षेत्र विधि (संशोधन) विधेयक, 2024' को भी पेश किया।

दोनों विधेयकों को पुरःस्थापित किए जाने के बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने अपराह्न करीब एक बजकर 55 मिनट पर सदन की कार्यवाही अपराह्न तीन बजे तक के लिए स्थगित कर दी। यह पहली बार था कि

नए सदन में किसी विधेयक पर इलेक्ट्रॉनिक मत विभाजन हुआ। विधेयक पर विपक्षी दलों के विरोध के बीच, गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जब मंत्रिमंडल में चर्चा के लिए विधेयक आया था, तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वयं मंशा जताई थी कि इसे संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के विचार के लिए भेजा जाना चाहिए।

कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने विधेयक पेश किए जाने का विरोध करते हुए आरोप लगाया कि यह संविधान के मूल ढांचे पर हमला है तथा देश को 'तानाशाही' की तरफ ले जाने वाला कदम है। उन्होंने यह भी कहा कि विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजा जाना चाहिए।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रमुख सहयोगी तेलुगू देसम पार्टी (तेदेपा) और शिवसेना ने विधेयक का समर्थन किया। कानून मंत्री मेघवाल ने कहा कि एक साथ चुनाव कराने से संबंधित प्रस्तावित विधेयक राज्यों की शक्तियों को छीनने वाला नहीं है, बल्कि यह विधेयक पूरी तरह संविधान सम्मत है। उन्होंने विधेयक को जेपीसी के पास भेजने की विपक्ष की मांग पर भी सहमति जताई। विधेयक का विरोध करते हुए कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने कहा कि यह विधेयक बुनियादी ढांचे पर हमला है और इस सदन के विधायी अधिकार क्षेत्र से परे है।

श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा ने महाबोधि मंदिर में पूजा अर्चना की

गया, (एजेंसी)। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा ने भगवान बुद्ध की पावन ज्ञान भूमि बोधगया के महाबोधि मंदिर के गर्भगृह में विशेष पूजा अर्चना की, साथ ही पवित्र बोधिवृक्ष के नीचे बैठकर ध्यान लगाया।

श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार गया अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा पहुंचे, जहां बिहार सके मंत्री डॉ. प्रेम कुमार एवं संतोष कुमार सुमन ने पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया। इसके बाद वे सड़क मार्ग से बोधगया पहुंचे। जहां बोधगया टेंपल मैनेजमेंट कमेटी के सदस्यों ने खादा वस्त्र देकर उनका भव्य स्वागत किया। उनके साथ आए श्रीलंकाई शिष्टमंडल का भी पारंपरिक अंदाज में अभिनंदन किया गया।

श्रीलंका के राष्ट्रपति की इस यात्रा को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। मंदिर परिसर और आसपास पुलिस बल की तैनाती रही। जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन एसएम और वरीय पुलिस अधीक्षक आशीष भारती खुद मौके पर मौजूद थे।

महाबोधि मंदिर में पूजा एवं ध्यान साधना के बाद अनुरा कुमारा ने बोधगया के ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व की सराहना की। उन्होंने पवित्र बोधिवृक्ष के छांव में भी भगवान बुद्ध को नमन किया। इस दौरान श्रीलंका के शिष्टमंडल ने भी मंदिर की परंपराओं और शांति के संदेश को लेकर अपनी श्रद्धा व्यक्त की।इसके बाद राष्ट्रपति बोधगया स्थित श्रीलंकाई महाविहार पहुंचे, जहां उन्होंने जयश्री महाबोधि महाविहार मंदिर में भगवान बुद्ध के दर्शन किए, साथ ही उन्होंने भगवान बुद्ध के दो परम शिष्य महामोगलान और सारीपुत के अस्थि कलश को भी नमन किया।

राष्ट्रपति की इस यात्रा से भारत-श्रीलंका के सांस्कृतिक और धार्मिक संबंधों को मजबूती मिलने की उम्मीद है। बोधगया, जहां भगवान बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ था, श्रीलंका के बौद्ध श्रद्धालुओं के लिए हमेशा से आस्था का केंद्र रहा है।

अब नए हैंडबैग के साथ संसद पहुंची प्रियंका गांधी, इस बार बांग्लादेशी हिंदुओं की बात

नई दिल्ली (हिन्द दर्पण)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा की एक तस्वीर सामने आई है। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान प्रियंका गांधी मंगलवार को एक हैंडबैग लेकर पहुंचीं, जिसमें लिखा है, 'बांग्लादेश के हिंदुओं और ईसाइयों के साथ खड़े हों।' इस बैग पर एकता को दर्शाती मुट्ठी और शांति दूत कबूतर बने हैं।

केरल की वायनाड सीट से सांसद प्रियंका गांधी ने सोमवार को लोकसभा में बांग्लादेश का मुद्दा उठाते हुए केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की मांग की थी। प्रियंका गांधी वाड्रा ने शून्यकाल के दौरान बांग्लादेश का मुद्दा उठाते हुए कहा, 'बांग्लादेश में हिंदुओं, ईसाइयों और अल्पसंख्यकों के खिलाफ जो अत्याचार हो रहा है, सरकार को उसके खिलाफ आवाज उठानी चाहिए, बांग्लादेश सरकार से बातचीत करनी चाहिए और पीड़ितों को पूरा समर्थन देना चाहिए।'

दूसरा दिन है जब प्रियंका गांधी खास संदेश से बना बैग लेकर पहुंची हैं। एक दिन पहले वो फिलिस्तीन के समर्थन वाला हैंडबैग लेकर पहुंची थीं। जिसमें उनका फिलिस्तीन प्रेम दिखाई दिया था। संसद के शीतकालीन के दौरान प्रियंका गांधी सोमवार को एक बैग लेकर पहुंचीं, जिसमें 'फिलिस्तीन' लिखा हुआ था। इस बैग पर शांति का प्रतीक सफेद कबूतर और तरबूज भी बना है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने बैग के जरिए सीधा मैसेज दिया है कि वह फिलिस्तीन के सपोर्ट में खड़ी हैं। इसे लेकर उन्हें काफी आलोचना भी झेलनी पड़ी थी। हालांकि यह पहली बार नहीं है जब प्रियंका गांधी ने फिलिस्तीन का समर्थन किया हो। इससे पहले वह फिलिस्तीन के पक्ष में कई बार आवाज उठा चुकी हैं। इतना ही नहीं प्रियंका गांधी ने भारत सरकार से फिलिस्तीन के साथ खड़े होने की वकालत भी की थी। वहीं बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर विपक्षी सांसदों ने मंगलवार को संसद परिसर के अंदर

विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान विपक्ष ने जमकर नारेबाजी की और भारत सरकार से हस्तक्षेप की मांग की।

हर राज्य में लेकर आएंगे, राज्यसभा में खड़े होकर यूसीसी पर अमित शाह ने किया बड़ा ऐलान

नई दिल्ली। आमित शाह ने मुस्लिम पर्सनल लॉ का जिक्र करते हुए कांग्रेस को घेरा और कहा कि कांग्रेस यह स्पष्ट करे कि एक कानून होना चाहिए या नहीं। इन्होंने मुस्लिम पर्सनल लॉ के साथ हिंदू कोड बिल भी ला दिया। हम तो चाहते हैं कि कानून नए हों। हिंदू कोड बिल में कोई पुराना नियम नहीं है। सामान्य कानून को ही इन्होंने हिंदू कोड बिल का नाम दे दिया। चलो मान लिया कि पर्सनल लॉ होना चाहिए। तो पूरा शरिया लागू करिए। विवाह और तलाक के लिए पर्सनल लॉ, ये तुष्टिकरण की शुरुआत यहीं से हुई है। हमने ही उत्तराखंड में यूसीसी लाने का काम किया हमारी सरकारें अन्य राज्यों में भी यूसीसी लाएंगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने जून 1975 में 21 महीने के लिए आपातकाल लगाया था क्योंकि इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने सत्ता में उनके चुनाव को अवैध घोषित कर दिया था। शाह ने कहा कि आपातकाल के दौरान लाखों लोगों को जेल में डाल दिया गया था और मीडिया पर भारी सेंसरशिप लगा दी गई थी। उन्होंने एक उदाहरण का हवाला दिया जहां इंडियन एक्सप्रेस ने आपातकाल के विरोध में खाली पन्ने का संपादकीय प्रकाशित किया था। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि बिनाका गीतमाला सुनते समय उन्हें आपातकाल के बारे में पता चला, जो अचानक बंद हो गया। उन्होंने जोर देकर कहा कि किशोर कुमार और इंदिरा गांधी के बीच बहस हुई थी और इंदिरा गांधी बिनाका गीतमाला पर उनके गाने नहीं चाहती थीं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने लिया मंगलागिरी में एम्स के पहले दीक्षांत समारोह में हिस्सा

चिकित्सा पेशे में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से पता चलता है, भारत बन रहा है एक विकसित समाज: मुर्मू

मंगलगिरी (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को आंध्र प्रदेश के मंगलगिरी में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के पहले दीक्षांत समारोह में हिस्सा लिया।

इस दौरान राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि किसी भी उच्च शैक्षणिक संस्थान का प्रारंभिक बैच उस संस्थान की पहचान बनाता है। राष्ट्रपति ने एमबीबीएस के पहले बैच के स्नातकों से कहा कि वे चिकित्सा जगत, समाज, देश और विदेशों में एम्स मंगलगिरी के पहले ब्रांड एंबेसडर हैं। राष्ट्रपति ने डॉक्टरों से कहा कि चिकित्सा पेशा (मेडिकल प्रोफेशन) का चयन कर उन्होंने मानवता की सेवा का रास्ता चुना है। उन्होंने डॉक्टरों को सफल होने और सम्मान हासिल करने के लिए तीन सामान्य बातों- सेवा, ज्ञानार्जन और अनुसंधान अभिविन्यासों पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी।

राष्ट्रपति ने कहा कि प्रसिद्धि और धन के बीच चयन करना पड़े तो उन्हें प्रसिद्धि को प्राथमिकता देनी चाहिए। भारतीय डॉक्टरों ने अपनी प्रतिभा और कड़ी मेहनत से दुनिया के विकसित देशों में अग्रणी मुकाम हासिल किया है। दूसरे देशों से लोग बेहतर चिकित्सा के लिए भारत आते हैं। भारत ग्लोबल पटल पर सस्ते चिकित्सा पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है और डॉक्टरों की इसमें प्रमुख भूमिका रही है। उन्होंने आगे कहा कि हमारी परंपरा में दीर्घायु, रोग मुक्त और स्वस्थ रहने की प्रार्थना की जाती है। जीवन और स्वास्थ्य एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि मंगलगिरी एम्स का आदर्श वाक्य सकल स्वास्थ्य सर्वदा समग्र स्वास्थ्य सेवा और सभी के लिए स्वास्थ्य सेवा के आदर्शों से प्रेरित है। समग्र स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना और सभी के लिए बेहतर स्वास्थ्य सुनिश्चित करना इस संस्थान के प्रत्येक चिकित्सा पेशेवरों का मार्गदर्शक सिद्धांत होना चाहिए।

राष्ट्रपति ने कहा कि चिकित्सा विज्ञान को बदलते समय और परिस्थितियों के अनुसार नई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। और इसके लिए नए समाधानों की जरूरत होती है। मंगलगिरी स्थित एम्स की साइटोजेनेटिक्स (ऊतक, रक्त, रक्त मज्जा, या संवर्धन कोशिका) प्रयोगशाला इसी दिशा में किया गया प्रयास है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह संस्थान इस प्रयोगशाला के उपयोग से नए अनुसंधान और उपचार विकसित करेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पूरी दुनियाँ उस्ताद जाकिर हुसैन की तबला थापों के संगीत की खुशबू से महकती है

साथियों बात अगर हम उस्ताद पर पुरस्कारों सम्मानों की बारिश की करें तो,पद्मश्री से लेकर पद्मविभूषण से किये गये थे सम्मानितजाकिर हुसैन को कई अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था, उन्हें साल 1988 में पद्मश्री से नवाजा गया था. इसके बाद साल 2002 में उन्हें पद्मभूषण और साल 2023 में पद्मविभूषण जैसे सर्वोच्च पुरस्कारों से सम्मानित किया गया. हुसैन को 1990 में संगीत के सर्वोच्च सम्मान संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से भी नवाजा गया था 4 बार ग्रैमी पुरस्कार से हुए थे सम्मानितबता दें कि जाकिर हुसैन को कंटेम्पररी वर्ल्ड म्यूज़िक एलबम कैटगरी में ग्लोबल ड्रम प्रोजेक्ट एल्बम के लिए 2009 में 51वें ग्रैमी अवॉर्ड्स से नवाज़ा गया था. गौरतलब है कि उस्ताद जाकिर हुसैन को अपने करियर में 7 बार ग्रैमी पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया गया था जिनमें से उन्हें चार बार इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

(लेखक- किशन सनमुखदास भावनानीं)

वैश्विक स्तरपर संगीत क्षेत्र में आज भी आश्चर्य होता है कि क्या सुर सम्राट तानसेन भारत में ही पैदा हुए थे? उसी प्रकार ही आगे के दौर में हमारी पीढ़ियां इस बात पर गर्व करेगी कि हिंद के आंगन में ऐसे पुष्प भी उगे थे।तबला वादक उस्ताद हमारे वतन के थे, जिनकी कमी को कभी पूर्ण नहीं किया जा सकता। मैं खुद भी उनका फैन रहा हूं व उनके तबला वादन की कला से प्रेरित होकर मैं भी संगीत सीखने व तबला वादन में 9 वर्षीय कोर्स अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मुंबई से करने की ठानी व 5 वर्ष तक संगीत माध्यम (तबला) वादन में सफलता पूर्वक पूर्ण किया जिसमें रिटर्न ओरल व प्रैक्टिकल परीक्षाएं होती है जो मैंने सफलतापूर्वक पास की व संगीत माध्यमा बना, परंतु कुछ व्यस्तता के कारण बाकी के दो वर्ष विशारद अधूरे रह गए हैं जिसे पूर्ण करने का संकल्प मेरे मन में है। आज हम उस्ताद जाकिर हुसैन की नम आंखों से चर्चा कर रहे हैं, क्योंकि दिनांक 16 दिसंबर 2024 को तबला वादक जाकिर हुसैन का निधन हो गया है,उन्होंने अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को के एक अस्पताल में अपनी अंतिम सांस ली। यहां उनका इलाज चल रहा था।उनके परिवार ने सोमवार को उनके निधन की पुष्टि की जो पिछले दो हफ्ते से गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के कारण अस्पताल में भरती थे। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग के इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, महान तबला वादक जाकिर हुसैन का दुनियाँ को अलविदा, पीढ़ियां इस बात पर गर्व करेगी कि ऐसाअनमोल पुरुष हिंद के आंगन में उगा था।

साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय स्तरपर मशहूर तबला वादक जाकिर हुसैन के निधन की करें तो, सोमवार सुबह परिवार ने जाकिर हुसैन के निधन की पुष्टि कर दी है परिवार ने खुलासा किया कि उनकी मृत्यु इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस से हुई, जो फेफड़ों को प्रभावित करने वाली एक बीमारी है। मीडिया के द्वारा मिली जानकारी के मुताबिक अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में अंतिम सांस लेने वाले तबला वादक जाकिर हुसैन को सैन फ़्रांसिस्को में ही सुपुर्द-ए खाक़ किया जाएगा और उन्हें भारत नहीं लाया जाएगा। मीडिया में बताया कि जाकिर हुसैन को संभवत- बुधवार के दिन सैन फ़्रांसिस्को में दफन किया जाएगा। जाकिर हुसैन के भाई फ़ज़ल कुरैशी भारत से अमेरिका पहुंच गये हैं और बहन खुर्शीद औलिया भी लंदन से अमेरिका पहुंच गई है।

साथियों बात अगर हम उस्ताद के बारे में जानने की करें तो ज़ाकिर हुसैन बेहद मशहूर तबला वादक थे।उन्होंने इंटरनेशनल लेवल पर अपनी पहचान बनाई थी।1951 में उस्ताद अल्लाह रक्खा के घर जन्मे जाकिर बचपन से ही बेहद टैलेंटेड थे, उन्होंने सात साल की उम्र में ही परफॉर्म करना शुरू कर दिया था।जाकिर हुसैन न सिर्फ एक महान तबला वादक थे बल्कि एक बेहतरीन संगीतकार भी थे, उन्होंने हीट एंड डस्ट और इन कस्टडी जैसी फिल्मों के लिए म्यूजिक भी दिया था, उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय बैले और आर्केस्ट्रा प्रोडक्शन के लिए कुछ मैजिकल कंपोजिशन भी बनाई थीं। जाकिर हुसैन के परिवार में उनकी पत्नी एंटोनिया मिनेकोला उनकी बेटियां अनीसा कुरैशी (उनके पति टेलर फिलिप्स और उनकी बेटी जारा) और इसाबेला कुरैशी, उनके भाई तौक कुरैशी और फजल कुरैशी व उनकी बहन खुर्शीद औलिया हैं। साथियों बात अगर हम उस्ताद पर पुरस्कारों सम्मानों की बारिश की करें तो,पद्मश्री से लेकर पद्मविभूषण से किये गये थे सम्मानितजाकिर हुसैन को कई अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था, उन्हें साल 1988 में पद्मश्री से नवाजा गया था. इसके बाद साल 2002 में उन्हें पद्मभूषण और साल 2023 में पद्मविभूषण जैसे सर्वोच्च पुरस्कारों से सम्मानित किया गया. हुसैन को 1990 में संगीत के सर्वोच्च सम्मान संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से भी नवाजा गया था 4 बार ग्रैमी पुरस्कार से हुए थे सम्मानितबता दें कि जाकिर हुसैन को कंटेम्पररी वर्ल्ड म्यूज़िक एलबम कैटगरी में ग्लोबल ड्रम प्रोजेक्ट एल्बम के लिए 2009 में 51वें ग्रैमी अवॉर्ड्स से नवाज़ा गया था. गौरतलब है कि उस्ताद जाकिर हुसैन को अपने करियर में 7 बार ग्रैमी पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया गया था जिनमें से उन्हें चार बार इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

साथियों बात अगर हम उस्ताद के निधन पर आम आदमी से देखकर पीएम,विपक्षी नेता सहित राजनीतिक बॉलीवुड व अन्य क्षेत्र के सामान्य व्यक्तियों द्वारा दुखी होकर संवेदनाएं प्रकट करने की करें तो दुखी होने की करें तो, प्रधानमंत्री ने एक्स पर ज़ाकिर हुसैन को याद करते हुए पोस्ट किया है, कि ज़ाकिर हुसैन को भारतीयशास्त्रीय संगीत की दुनिया में क्रांति लाने के लिए याद किया जाता रहेगा.हुसैन को जीनियस बताते हुए लिखा, वे तबले को ग्लोबल स्टेज तक ले गए, उन्होंने भारत की शास्त्रीय परंपराओं को ग्लोबल म्यूज़िक से मिलाया और इसलिए वो सांस्कृतिक एकता के आइकन बन गए।जावेद अख़्तर ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि संगीत की दुनिया ने एक ताल खो दिया है।जावेद अख़्तर ने लिखा है,एक महान संगीतकार, एक महान इंसान, एक अच्छे मित्र ज़ाकिर हुसैन साहब हमें छोड़कर चले गए.नेताओं ने सोशल मीडिया पर जताया दुखलोकसभा में विपक्ष के नेता ने पोस्ट किया,महान तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन जी के निधन की खबर बेहद दुखद है। उनका निधन संगीत जगत के लिए बहुत बड़ी क्षति है। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और फैंस के साथ हैं। उस्ताद जाकिर हुसैन जी अपनी कला की ऐसी विरासत छोड़ गए हैं, जो हमेशा हमारी यादों में जिंदा रहेगी। असम के सीएम ने भी एक्स पर दुख जताया। संचार मंत्री और महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने भी सोशल मीडिया पर दुख व्यक्त किया। साथियों बात अगर हम उस्ताद क़े आईपीएफ बीमारी से ग्रस्त होकर निधन होने की करें तो,इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस (आईपीएफ) क्या है? इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस फेफड़ों से जुड़ी एक गंभीर बीमारी है। आप सांस लेते हैं तो ऑक्सीजन हमारे फेफड़ों में छोटी-छोटी हवा की थैलियों से होते हुए खून में जाता है और फिर यहां से शरीर के सभी अंगों को मिलता है। लेकिनआईपीएफ होने पर फेफड़ों के भीतर निशान ऊतक बढ़ने लगते हैं। जिससे सांस लेना मुश्किल होने लगता है। उम्र के साथ ये समस्या और भी खराब होने लगती है। इससे फेफड़ों के जरिए खून में ऑक्सीजन की कमी होने लगती है।

जिससे आपके शरीर के दूसरे अंग ठीक से काम नहीं कर पाते हैं।इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस के लक्षण और इलाज,,आपको बता दें इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस का कोई इलाज नहीं है इस सिर्फ कंट्रोल किया जा सकता है। स्थिति गंभीर होने पर लंग ट्रांसप्लांट का विकल्प होता है। धीरे धीरे फेफड़ों में ऊतक बढ़ने लगते हैं और फेफड़ों में जख्म जैसे हो जाके हैं। जिसकी वजह से आपको सीने में दर्द या जकड़न, पैर में सूजन, भूख में कमी, गले में खराश, खांसी, थकान महसूस होना, जोड़ों और मांसपेशियों में दर्द, वजन घटना और सांस लेने में तकलीफ हो सकती है। अगर आप किसी दूसरी बीमारी से पीड़ित हैं तो मुश्किलें और बढ़ने लगती हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त पुरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि महान तबला वादक जाकिरहुसैन का दुनियाँ को अलविदा -पीढ़ियां इस बात पर गर्व करेगी कि ऐसा पुष्प हिंद के आंगन में उगा था।पूरी दुनियाँ उस्ताद जाकिर हुसैन की तबला थापों के संगीत की खुशबू से महकती है।उस्ताद जाकिर हुसैन से प्रेरित होकर मैंने भी संगीत (तबला) वादन में 5 वर्षीय संगीत माध्यमा किया अब विशारद शीघ्र पूर्ण करूंगा

(-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र)

संपादकीय

काबू में मलेरिया

यह सुखद है कि पूरी दुनिया में पिछले दो दशकों में मलेरिया के खिलाफ जंग में आशातीत सफलता मिली है। जिससे जहां मलेरिया के मामलों में तेजी से गिरावट दर्ज की गई है, वहीं मौत के आंकड़ों में कमी आई है। पिछले दिनों जारी विश्व मलेरिया रिपोर्ट 2024 में कहा गया है कि सार्थक प्रयासों से भारत मलेरिया की दृष्टि से अधिक संवेदनशील देशों की सूची से बाहर निकल गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हालिया रिपोर्ट में जिक्र किया है कि भारत में मलेरिया के मामलों में जहां 69 फीसदी की कमी आई है, वहीं इससे होने वाली मौतों में 68 फीसदी की कमी आई है। उल्लेखनीय है कि देश के मलेरिया से ज्यादा प्रभावित राज्यों में सघन अभियान चलाया गया। साथ ही जागरूकता अभियान से भी इस दिशा में लक्ष्यों को हासिल करने में मदद मिली है। दरअसल, मलेरिया से ज्यादा प्रभावित राज्यों पश्चिम बंगाल, झारखंड, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ में मलेरिया उन्मूलन अभियान युद्ध स्तर पर चलाया गया। इसके चलते भारत को डब्ल्यूएचओ ने उन देशों में शुमार किया है जिन्होंने इस दिशा में आशातीत सफलता हासिल की है। सुखद यह है कि मलेरिया से अधिक प्रभावित देशों मसलन अफ्रीकी देशों में नई वैक्सीन के ट्रायल के बेहतर परिणाम सामने आए हैं। ऐसे में उम्मीद व्यक्त की जा रही है कि हर साल जो लाखों लोग मलेरिया की चपेट में आते हैं, नई वैक्सीन के प्रभाव से उनकी जान के जोखिम को कम किए जाने में मदद मिल सकेगी। दरअसल, वैक्सीन के फेज-2बी के क्लीनिकल ट्रायल के परिणाम बताते हैं कि वैक्सीन सुरक्षित है और मजबूत रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने में कारगर है। वैक्सीन की प्रभावशीलता पचपन फीसदी बतायी गई है। उल्लेखनीय है कि मशहूर चिकित्सा पत्रिका लैंसेट में प्रकाशित रिपोर्ट बताती है कि वैक्सीन रक्त में मौजूद मलेरिया की वजह बनने वाले परजीवियों के खिलाफ प्रभावी पायी गई है। जिसे जीवन की रक्षा के लिये बड़ी कामयाबी माना जा रहा है। उल्लेखनीय है कि जहां भारत में वर्ष 2017 में मलेरिया के चौंसठ लाख मामले थे, वे वर्ष 2023 में घटकर बीस लाख रह गए। वहीं मलेरिया से होने वाली मौतों पर भी अंकुश लगा है। दरअसल, जागरूकता अभियान से उत्पन्न चेतना तथा चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार से मलेरिया उन्मूलन में खासी मदद मिली है। एक अनुमान के अनुसार कोई पौने दो करोड़ मलेरिया के मामलों को टाला गया है। वहीं मलेरिया जोखिम में भी आशातीत गिरावट आई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार दक्षिण पूर्व एशिया के आठ देश मलेरिया से सर्वाधिक प्रभावित थे। जिसमें भारत में भी स्थिति विगत में चुनौतीपूर्ण थी। दरअसल, विश्व स्वास्थ्य संगठन इस बात को लेकर चिंतित था कि इस क्षेत्र में सघन आबादी के चलते दुनिया की एक चौथाई आबादी निवास करती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दक्षिण एशिया के इन देशों में मच्छरों से पैदा होने वाले मलेरिया पर अंकुश लगाने के लिए सहज उपचार की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा था। जिससे लोगों के जीवन पर जोखिम को कम किया जा सके। यह तभी संभव था जब मलेरिया के प्रति संवेदनशील लोगों तक सहजता से उपचार पहुंचा सकें।

एटीएम कार्ड बदलकर लोगों को लूटते नटवर लाल जिम्मेवार कौन

(लेखक- नरेन्द्र भारती)

देश में महानगरों से लेकर गांव तक एटीएम मशीनें स्थापित करके राष्ट्रीयकृत बैंकों ने ग्राहकों को सुविधा प्रदान की है मगर एटीएम मशीनों का प्रयोग करने में असमर्थ अनपढ महिलाओं, लोगों व ग्राहकों के लिए यह असुविधा बन गई हैक्योकि नटवरलाल इसी का फायदा उठाकर एटीएम कार्ड बदलकर लोगों को शिकार बना रहे हैं .एक समाचार के अनुसार ताज़ा मामला ऊना में घटित हुआ है जहाँ दौलतपुर चौक में एक ए टी एम में महिला का कार्ड बदलकर धोखे से 35000 हजार रूपये निकाल दिए पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है ।सरकार को इन मामलों पर संज्ञान लेना होगा ऐसे गिरोह का खत्मा करना होगा जो लोगों के पैसों को लूट रहे है।सर्तकता से ही इन मामलों को रोका जा सकता है। क्योकि नटवरलाल इसी का फायदा उठाकर एटीएम कार्ड बदल हिमाचल प्रदेश में एटीएम कार्ड बदलकर लोगों को ठगने के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे यदि बैक के अधिकारी सख्त कार्रवाई करे तो इन वारदातों पर रोक लग सकती है। प्रतिदिन प्रदेश में ऐसे मामले घटित हो रह है।एटीएम गिरोह के लोग कई गरीब लोगों की खून पसीने की कमाई को लूट रहे हैं।बैंक वाले भी इन वारदातों को रोकने में असहाय नजर आ रहे है। अक्सर देखा गया है कि एटीएम मशीनों में पैसा निकालने वालों की हर समय भीड जीम रहती है वहां न तो कोई सुरक्षा कर्मचारी होता है ओर न ही बैंक के कर्मचारी होतें है। जबकि कानून के अनुसार वहां सुरक्षा कर्मचारी होना चाहिए।एटीएम बदलकर ठगने की वरदातें रुकने का नाम नहीं ले रही है ।सर्तकता से ही इन मामलों को रोका जा सकता है। क्योकि नटवरलाल इसी का फायदा उठाकर एटीएम कार्ड बदल कर लोगों को लूट कर लाखों का चूना लगा रहें हैं। हिमाचल में सैंकड़ों मामले घटित हो चूके है मगर बैंक प्रशासन व पुलिस मूकदर्शक बनकर तमाशा देख रहे है। प्रतिदिन प्रदेश में ऐसे मामले घटित होते जा रहे है मगर आज तक कोई पकड़ मे नहीं आ सका है।2018 के फरवरी माह में उना के भटोली व मरवाड़ी में ठगी के दो मामलों में ठगों ने महिलाओं के एटीएम कार्ड बदल कर 2 लाख रुपये उड़ा लिए थे। अंब में एक फौजी का कार्ड बदल कर खाते से 2 लाख रुपये उड़ा लिए थे। जोगिन्द्र नगर में भी एसे ही मामले घटित हुए थे। प्रदेश में बडे पैमाने पर ऐसी वारदातें हो रही है मगर आज तक कोई पकड़ में नहीं आ सका है।प्रदेश में काफी समय से ऐसे गिरोह लोगों का पैसा लूट रहे है इन पर शिकंजा कसना होगा ताकि ऐसी वारदातों पर रोक लग सके। इसे पुलिस की अर्कमणयता की संज्ञा दी जाए तो कोई आतिश्योक्ति नहीं होगी।इन घटनाओं में बैंक के अधिकारियों की लापरवाही भी देखने को मिल रही है। कुछ वर्ष पहले जिला मण्डी के रिवालसर व नेरचैक में एक शातिर युवक ने ने एक युवती व युवक के एटीएम कार्ड बदलकर 60 हजार रुपये निकाल लिए थे ।इस वारदात से पहले 15 अप्रैल 2015 को जिला ऊना के खानपुर में एक शातिर युवक ने उसकी मदद की एवज में उसका एटीएम कार्ड बदल दिया बाद में शातिरों ने उसके खाते से 65 हजार रुपये निकाल दिये जब पैसे निकाले जाने का संदेश आया तब उसे शातिरों द्वारा पैसे उड़ाने का पता चला। बीते वर्षों में सोलन के सुल्तानपुर के रहने वाले एक व्यक्ति का एटीएम कार्ड बदलकर शातिरों ने 23,530 रूपये निकाल लिए थें।जब यह व्यक्ति एटीएम से पैसे निकालने लगा तो पैसे निकालते समय कुछ तकनीकी खराबी आ रही थी उसने अपना एटीएम कार्ड पास खडे एक व्यक्ति को देकर कहा कि मेरे खाते से दो हजार रूपये निकाल दो उसने दो हजार निकाल दिये मगर एटीएम कार्ड बदल दिया जब वह दूसरी बार पैसा निकालने गया तो एटीम मशीन ने गलत कोंड दर्शाया तो उसने कार्ड देखा तो बह किसी और के नाम का था ।एक अन्य मामले में बिलासपुर में एक कर्मचारी भी ठगी का शिकार हो गया था शातिरों ने कार्ड बदलकर 3 लाख रूप्ये उडा लिये यह व्यक्ति रुपये निकालने जब मशीन के पास गया तो काफी कोशिश के बाद भी रुपये नहीं निकले तो वहां खडे दो अज्ञात लोगों ने एटीएम कार्ड लेकर उसकी सहायता करनी चाही तो उन्होने कहा की आप के खातें में पैसे नहीं है और उन्होने एटीएम कार्ड बदल दिया जब वह कुछ दिन बाद पैसे निकालने बैंक गया तो उसने जब एटीएम कार्ड का प्रयोग किया तो वह मान्य नहीं हुआ जब उसने बैंक में पूछताछ की तो उसके होश उड गये क्योकि खाते में केवल 56 रुपये ही रहे थे जबकि एक लाख रुपये की राशि गायब थी।ऐसे कई मामले घटित हो रहे है मगर कुछ ही प्रकाश में आते है। एटीएम में भले ही सीसीटीवी कैमरे लगे होते है मगर शातिर लोग पकड में नहीं आते हैं। ऐसे बहुत से गिरोह बने हुये हैं जो समय-समय पर इन वारदातों को अंजाम देते रहते है। राज्य के बाहर के लोग ही इन में संलिप्त रहे है।गत वर्ष मण्डी के नेरचैक में भी एक गिरोह के लोगों ने एटीएम से पैसे निकाल कर लाए एक व्यक्ति का बैग उडा लिया था मगर पुलिस की मुस्तैदी से यह गिरोह मण्डी के एक होटल में दवोच लिया गया था। यह गिरोह मध्यप्रदेश का था।एटीएम मशीनों को तोडने व पैसा चुराने के भी सैंकडों मामले सुर्खियां बन चुके है गत दिनों नालागढ में सुरक्षा अधिकारी पर हमला करके एटीएम मशीन चुरा कर ले गये थे जो कुछ दूरी पर बरामद हुई थी। बैंक वालों को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए । एटीएम मशीन के पास दो सुरक्षा कर्मी तैनात करने चाहिए दरवाजे पर एक टीवी स्क्रीन लगानी चाहिए ताकि हर आने जाने वाले का पूरा रिकार्ड रहे,सुरक्षा कर्मी को यह आदेश दिए जाएं कि एक समय में एक ही ग्राहक पैसा निकालेगा। पैसा निकालने वाले का आधार कार्ड व पहचान पत्र की जांच करने के बाद ही पैसा निकालने दिया जाए। बिना पहचान दस्तावेजों के किसी को भी इजाजत न दी जाए। प्रत्येक ग्राहक का नाम पता रजिस्टर में दर्ज किया जाए। मनमानी करने वालों पर कानूनन कार्रवाई की जाए। बैंको को ग्राहको व अनपढ लोगों को एटीएम मशीन का प्रशिक्षण देना चाहिए। सुरक्षा कर्मी को भी चाहिए कि संदिग्ध लोगों पर नजर रखनी चाहिए। प्रशासन व पुलिस को ऐसे गिरोह के लोगों को सजा देनी चाहिए। ताकि लोग निडर होकर एटीएम से अपना पैसा निकाल सके। बैंक के अधिकारियों को लोगों को जागरुक करने के लिए शिविर लगाने चाहिए ताकि ग्राहको को नटवरलालों से निजात मिल सके।यदि ऐसा कडाई से लागू किया जाए तो इन वारदातों पर अंकुश लग सकता है।यदि लोग जागरुक हो जाएगें तो ऐसी घटनाओं पर रोक लग सकती है।

(चिंतन-मनन)

अनुशासन का पाठ

गुरु अंबुजानंद के पास अनेक शिष्य शिक्षा ग्रहण करने के लिए आते थे। उनका आश्रम लंबे समय से चल रहा था। अब चूंकि अंबुजानंद काफी वृद्ध हो गए थे, गुरुकुल चलाना उनके लिए कठिन हो रहा था। वह अपने शिष्यों में से ही किसी एक को गुरुकुल का सारा कार्यभार सौंपना चाहते थे। एक दिन उन्होंने अपने 18 श्रेष्ठ विद्यार्थियों को अपने पास बुलाया। उन्होंने उनसे कहा, आप सभी प्रतिभाशाली, मेहनती और ईमानदार हैं। यदि मैं आपको शिक्षा के लिए किसी विशेष क्षेत्र में नियुक्त करना चाहूं तो आप कौन-कौन से क्षेत्र को चुनना चाहेंगे?

यह सुनकर सभी शिष्य कुछ देर सोचते रहे और फिर 17 विद्यार्थियों ने अपने-अपने मनपसंद क्षेत्रों के नाम गुरु को बता दिए। अठारहवां शिष्य आयुष अभी तक कुछ सोच ही रहा था। उसे चुप देखकर गुरु ने पूछा, बेटा आयुष, तुमने अपने लिए किसी क्षेत्र का चुनाव नहीं किया? गुरु की बात सुनकर आयुष ने सिर झुकाकर कहा, गुरुजी, मैंने आपसे ही शिक्षा ग्रहण की है। मैं आपके द्वारा सीखी गई शिक्षा को जन-जन तक फैलाना चाहता हूं। इसके लिए मुझे किसी क्षेत्र विशेष का चुनाव करने की आवश्यकता नहीं है। मैं हर क्षेत्र में आपके द्वारा प्रदान की गई शिक्षाओं को दूसरों तक पहुंचाना चाहूंगा।

हालांकि क्षेत्र से भी ज्यादा महत्वपूर्ण है आपके दिए गए मूल्य या संस्कार का प्रसार, जो शास्त्रों से अलग है। मैं चाहता हूं कि लोग उसे जानें ताकि वे नैतिक दृष्टि से भी श्रेष्ठ हों। मात्र पुस्तकीय ज्ञान से कुछ नहीं होने वाला है। आपने जो अनुशासन का पाठ हमें पढ़ाया है, उसे तो मैं विशेष रूप से सिखाना चाहूंगा। ज्ञान पाने के लिए व्यक्तित्व को एक खास सांचे में ढालना पड़ता है। आपने जिस तरह हमें ढाला है, मैं भी दूसरों को ढालना चाहूंगा। आयुष की बात सुनकर गुरु अंबुजानंद का चेहरा प्रसन्नता से खिल उठा। उन्होंने उसे गले से लगाकर कहा, बेटा, आज से यह गुरुकुल तुम्हारी देखरेख में ही चलेगा।

विचार मंथन

घोषित आपातकाल और अघोषित आपातकाल पर संसद में चर्चा

(लेखक- सनत जैन)

भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में 1975 का आपातकाल एक काला अध्याय है। जब नागरिकों के मूल संवैधानिक अधिकारों को स्थगित कर दिया गया था। देश की जनता को मौलिक स्वतंत्रताओं से वंचित कर दिया गया। वह दौर घोषित आपातकाल का था। जिसे तत्कालीन सत्ता ने एक कानूनी जामा पहनाया था। घोषित आपातकाल की समयावधि 18 माह की थी। जैसे ही आपातकाल खत्म हुआ, नागरिकों के सारे संवैधानिक अधिकार वापस आ गए थे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तथा सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता, संविधान विशेषज्ञ अभिषेक मनु सिंघवी द्वारा 'अघोषित आपातकाल' पर की गई टिप्पणी वर्तमान परिस्थितियों पर गहरा सवाल उठाया है। उन्होंने इस बात को स्पष्ट किया कि लोकतंत्र में वर्तमान आपातकाल कानूनी तौर पर घोषित नहीं है। सत्ता की विभिन्न एजेंसियों के माध्यम से अघोषित रूप से नागरिकों के ऊपर थोपा जा रहा है। उनके संवैधानिक मूल अधिकारों को अघोषित रूप से खत्म किया जा रहा है। इसके सबसे बड़े शिकार भाजपा के स्वयं के बड़े नेता लालकृष्ण आडवाणी हैं, जिन्हें राजनीति से बाहर कर दिया गया। उन्होंने ही सबसे पहले अघोषित आपातकाल की बात कही थी। घोषित आपातकाल में 1975 में तत्कालीन सरकार ने देशभर में लोकतांत्रिक संस्थाओं, मीडिया और स्वतंत्र अभिव्यक्ति पर अंकुश लगा दिया था। नागरिक अधिकारों को दिया गया, प्रेस पर सेंसरशिप लागू हुई। संविधान के अनुच्छेद 352 के तहत घोषित आपातकाल जनता के समक्ष एक कानूनी सच्चाई थी। मनु सिंघवी ने कहा कि अघोषित आपातकाल का स्वरूप हमें आज के दौर में दिख रहा है। जहां लोकतांत्रिक अधिकारों को बिना किसी औपचारिक कानूनी प्रावधान के, धीरे-धीरे अघोषित रूप से कमजोर और समाप्त किये जा रहे हैं। मीडिया पर परोक्ष दबाव बनाकर असहमति की आवाज़ को कुचलने के लिए एजेंसियों का गैर संवैधानिक तरीके से इस्तेमाल किया जा रहा है।

विरोध प्रदर्शनों को दबाने के लिए कठोर कानूनों का दुरुपयोग, और न्यायिक स्वतंत्रता पर सवाल अघोषित आपातकाल की स्थिति को बता रहे हैं। उन्होंने कहा आज का दौर घोषित आपातकाल से अलग है। इसके प्रभाव उतने ही गंभीर हैं, जैसे घोषित आपातकाल के दौरान थे। उस समय सरकार की संवैधानिक जिम्मेदारी थी। इस समय असंवैधानिक तरीके से सरकार मौखिक आदेश पर संवैधानिक संस्थाओं की स्वायत्तता पर हस्तक्षेप कर उन्हें कमजोर कर रही है। मीडिया का बड़े पैमाने पर पक्षपाती रवैया लोकतंत्र की सेहत के लिए खतरा बन गया है।

सिंघवी का यह आरोप था, सत्ता के संरक्षण में भय का माहौल बनाया गया है, जो घोषित आपातकाल से भी ज्यादा खतरनाक और चिंताजनक है। मनु सिंघवी ने राज्यसभा में कहा, लोकतंत्र की रक्षा के लिए, लोकतंत्र की सफलता के लिए, स्वतंत्र अभिव्यक्ति, मजबूत संवैधानिक संस्थाओं और नागरिक के मौलिक अधिकारों पर टिकी होती है। चाहे घोषित आपातकाल हो या अघोषित आपातकाल हो, दोनों ही लोकतंत्र की नींव को कमजोर करते हैं। संविधान को बचाने के लिए सभी पक्षों को आगे आकर लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करनी होगी। नागरिक समाज, मीडिया और राजनीतिक नेतृत्व को यह सुनिश्चित करना होगा। सत्ता के वर्तमान दौर का लोकतंत्र अघोषित आपातकाल की छाया में नागरिक अधिकारों के लिए सबसे बड़ा खतरा है। लोकतंत्र में मौन रहना भी एक तरह का आपातकाल है। इसे समाप्त करने के लिए डर और भय का माहौल खत्म करना होगा। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता होनी चाहिए। संवैधानिक संस्थाओं को मजबूत होना चाहिए। उनके द्वारा राज्यपाल और राज्य सरकारों के बीच राज्यपाल को सर्वोपरि बनाने की कोशिश की गई है। उस पर भी कटाक्ष करते हुए अघोषित आपातकाल को समाप्त करने की बात कही। पिछले 10 वर्ष के दौरान अघोषित आपातकाल में जो हो रहा है, उसे उन्होंने घोषित आपातकाल से भी ज्यादा खराब बताया। संविधान को लेकर लोकसभा और राज्यसभा में जो चर्चा हो रही है। पहली बार संविधान की व्याख्या को लेकर पक्ष और विपक्ष जिस तरह से आपकी बात कह रहे हैं, यह लोकतंत्र के लिए एक अच्छा अवसर है। पक्ष और विपक्ष की इस चर्चा के बाद लोकतंत्र मजबूत हो।

संविधान सुरक्षित रहे, नागरिकों के मौलिक अधिकार जो संविधान ने दिए हैं, वह पूर्ण रूप से सुरक्षित रहें। यदि ऐसा हो पाया, तो 75 वर्ष के संविधान की यह यात्रा सुखद मानी जाएगी। अभी जिस तरह का वातावरण देखने को मिल रहा है। निश्चित रूप से लोकसभा और राज्यसभा की इस बहस के बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष अपनी जिम्मेदारियां का निर्वहन सही तरीके से कर पाएगा। यह आशा की जा सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वरिष्ठ नागरिक के खाते में जमा नहीं हुए 12 लाख रुपये के शेयर, शिकायत सेबी से

नीमच । मध्य प्रदेश के एक वरिष्ठ नागरिक के 12 लाख रुपये की कीमत के शेयर 40 दिन बाद भी खाते में जमा नहीं हुए है। जबकि इन शेयर का एक दिन बाद ही खाते में जमा हो जाना अपेक्षित था। इस मामले की शिकायत भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी), नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड (सीडीएसएल) से की गई है। नीमच जिले के निवासी जिनेंद्र सुराणा के करीब 12 लाख रुपए मूल्य के शेयर खुद के डीमैट अकाउंट में चालीस दिन बीतने के बाद भी क्रेडिट (जमा) नहीं हुए है। सुराणा के मुताबिक आठ नवंबर 2024 को भेल के 2066, टाटा पावर के 1100 कुल 12 लाख रुपये के शेयर खरीदे थे जो कि अगले ही दिन सुराणा के डीमैट अकाउंट में जमा होने थे परंतु तय समय अवधि बीतने के बाद भी जब उनके खाते में यह शेयर जमा नहीं हुए, तब सुराना ने स्वस्तिक इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड से पूछताछ की। उन्होंने जिसके जरिए यह शेयर खरीदे थे वहां से बताया गया कि किसी तकनीकी सुधार प्रक्रिया के कारण यह गड़बड़ी हुई है लेकिन एक माह से अधिक का समय बीतने के बावजूद खरीदे हुए शेयर उनके डीमेट अकाउंट में क्रेडिट नहीं हुए। इसके बाद बुजुर्ग नागरिक ने इसकी शिकायत ऑनलाइन भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी), नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड (सीडीएसएल) से की है। उसके बावजूद भी अभी तक खाते में शेयर जमा नहीं हुए हैं। सुराणा ने बताया है कि उनके द्वारा पूनावाला के 2100 एवं ट्रेंट के 84 शेयर खरीदे गए थे, जो उनके खाते में मंगलवार को जमा हुए है, जबकि दो कंपनियों के शेयर अब तक जमा नहीं हुए हैं।

मरम्मत लागत की पूरी वसूली कर पाने में डीएमआरसी नाकाम: कैग रिपोर्ट

- करीब 15.54 करोड़ रुपये का बकाया अभी भी वसूला नहीं जा सका

नई दिल्ली । नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कैग) ने दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) के मरम्मत लागत एवं अन्य आकस्मिक खर्चों पर एक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें खुलासा हुआ कि करीब 15.54 करोड़ रुपये का बकाया अभी भी वसूला नहीं जा सका। इसमें नाकामी के खिलाफ चिंता जताई गई है। रिपोर्ट के अनुसार डीएमआरसी ने अनुरूप निर्माण गुणवत्ता और अवधि की खामियों को दूर करने के लिए ठेकेदार से 11.85 करोड़ रुपये की मरम्मत की कार्यवाही करवाई। इसके अलावा आवंटियों को वैकल्पिक आवास में स्थानांतरित कराने और कई अन्य खर्चों के कारण 7.81 करोड़ रुपये की अतिरिक्त खर्च उठाए गए हैं। कुल मिलाकर डीएमआरसी ने विभिन्न कारणों से 19.66 करोड़ रुपये का खर्च किया, जो कैग के मुताबिक काम की खराब गुणवत्ता की भरपाई के लिए है। वहाँ पर कारयान्वयन से जुड़ी सुलह प्रक्रिया में भी किसी के साथ ठीक से समझौता नहीं किया गया है, जिससे कलेक्ट किए गए 4.12 करोड़ रुपये में से केवल एक भाग ही वसूल पाया गया। कैग की रिपोर्ट ने डीएमआरसी को मरम्मत कार्य में पाए गए खामियों की जांच करने की सलाह दी है और भविष्य में इस तरह की गलतियों को रोकने के लिए कठोर कार्रवाई की आवश्यकता को जताया है।

भारत, न्यूजीलैंड ने व्यापार बढ़ाने के उपायों पर की चर्चा

- दोनों देशों के बीच का व्यापार 2023-24 में 87.34 करोड़ डॉलर था

नई दिल्ली । भारत और न्यूजीलैंड ने द्विपक्षीय व्यापार के बढ़ावे की दिशा में समझौते पर हुई चर्चा में दोनों देशों की मंत्रियों ने व्यापार और निवेश समेत अन्य क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ाने के विचारों पर ध्यान केंद्रित किया गया। भारतीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि इस चर्चा में सहयोग और व्यापार के अवसरों को बढ़ावा देने की चर्चा की गई। दोनों देशों के बीच का व्यापार 2023-24 में 87.34 करोड़ डॉलर था, जो पिछले साल की तुलना में कम था। समझौते को लेकर 2013 से बातचीत रुकी हुई थी, लेकिन इस चर्चा से उम्मीद है कि दोनों देश व्यापार समझौते को फिर से सकारात्मक दिशा में ले जाएंगे। इस चर्चा से साझेदारी को मजबूत करने के लिए आर्थिक सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। दोनों देशों के बीच सहयोग और व्यापार के क्षेत्र में नई उम्मीद और संभावनाएं खुली हैं।

भारत में सुरक्षा संबंधी चुनौतियां एआई अपनाने में बड़ी बाधा: रिपोर्ट

- एआई के इस्तेमाल के लिए एक मजबूत ढांचे की आवश्यकता पर दिया गया जोर

नई दिल्ली ।

भारत में 92 प्रतिशत कार्यकारी अधिकारी कृत्रिम मेधा (एआई) अपनाने में सुरक्षा संबंधी चुनौतियों को सबसे बड़ा अवरोध मानते हैं। उन्हें लगता है कि विश्वास को बढ़ावा देने और जोखिमों को कम करने के लिए मजबूत ढांचे की जरूरत है। एक रिपोर्ट के अनुसार 13 बाजारों में 900 वरिष्ठ अधिकारियों के बीच किए गए सर्वेक्षण से पता चला कि भारतीय अधिकारियों की अधिकतर चिंता कृत्रिम इंटेलिजेंस की सुरक्षा संबंधी चुनौतियों से है। रिपोर्ट में उच्च उत्साह के बावजूद भारतीय अधिकारियों को अभी भी एआई का व्यापक उपयोग करने में कठिनाई महसूस होती है। उन्हें डेटा के सुरक्षा खतरों और नैतिकता से संबंधित चिंताएं हैं। इससे सामने आया कि आधे से अधिक प्रौद्योगिकी अधिकारी इसे सरल चालित करने के लिए तैयार नहीं मानते। एआई के इस्तेमाल के लिए एक मजबूत ढांचे की आवश्यकता पर रिपोर्ट ने जोर दिया। इसके लिए तकनीकी सहयोग और कौशल उन्नयन की आवश्यकता है। विश्वास बढ़ाने और जोखिम कम करने के लिए अधिक नैतिकता और ताकतवर ढांचे को महत्व दिया जाना चाहिए। रिपोर्ट ने भारतीय संगठनों को एआई की एकीकृत क्रियान्वयन में सक्षम बनाने की सलाह दी है ताकि इसे स्थायी रूप से अपनाया जा सके। व्यवसाय को विश्वास दिलाकर जोखिम को कम करने के लिए एआई की क्षमताओं का उपयोग विशेष महत्व है।

ताइवान की लैपटॉप कंपनी चेन्नई संयंत्र के साथ भारत में विनिर्माण करेगी शुरू

एमएसआई मॉडर्न 14 और एमएसआई थिन 15 के विनिर्मित संस्करण पेश करेगी

नई दिल्ली । ताइवान की लैपटॉप विनिर्माता कंपनी एमएसआई भारत में अपना विनिर्माण परिचालन शुरू कर रही है। इसके अनुसार एमएसआई भारत में अपनी दो लैपटॉप मॉडल एमएसआई मॉडर्न 14 और एमएसआई थिन 15 के स्थानीय रूप से विनिर्मित संस्करण पेश करेगी। इन लैपटॉप की कीमत क्रमशः 73,990 रुपये और 52,990 रुपये से शुरू होगी। एमएसआई ने अपने बयान में कहा कि भारत एमएसआई के सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक है और ब्रांड अपनी उपस्थिति बढ़ा रहा है। उच्च प्रदर्शन वाले लैपटॉप की मांग बढ़ रही है और इसलिए उन्होंने वैश्विक मानकों को पूरा करने वाले स्थानीय रूप से विनिर्मित उपकरणों की पेशकश करने का निर्णय लिया है। एमएसआई इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भारत की महत्वपूर्णता को मानते हुए इस नए पहल का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि भारत लंबे समय से एमएसआई के लिए एक प्रमुख केंद्र रहा है और उच्च प्रदर्शन वाले लैपटॉप की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए हम विनिर्माण की प्रक्रिया भारत में शुरू कर रहे हैं। एमएसआई की इस पहल से भारतीय प्रौद्योगिकी सेक्टर में नई ऊर्जा और उत्साह भरने की संभावनाएं बढ़ेंगी और लोगों के लिए एक नया विकल्प उपलब्ध होगा।

शेयर बाजार में कोहराम, सेंसेक्स 1064 अंक गिरा, निफ्टी 332 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को भारी गिरावट रही। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के बीच ही बिकवाली हावी होने से बाजार नीचे आया है। इसके अलावा अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचने से भी बाजार टूटा है। दिग्गज कंपनयों रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक के शेयर में गिरावट से भी भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। वहीं निवेशक अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक से पहले ब्याज दरों में कटौती की संभावना को देखते हुए भी सतर्क रुख अपनाते दिखे । इससे भी बाजार में बिकवाली हावी रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 1.30 फीसदी तकरीबन 1064.12 अंक की बड़ी गिरावट के साथ ही 80,684.45 पर बंद हुआ। इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 1.35 अंक तकरीबन 332.25 अंक की गिरावट के साथ ही 24,336.00 पर बंद हुआ। निफ्टी की 50 कंपनियों में से 48 के शेयर गिरावट के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए।

सेंसेक्स की सभी कंपनियों के शेयर मंगलवार को गिरावट में बंद हुए। भारती एयरटेल का शेयर सबसे ज्यादा 2.83 फीसदी गिरा। इंडसइंड बैंक, जेएसडब्ल्यू स्टील, टीसीएस , रिलायंस इंडस्ट्रीज, नेस्ले इंडिया, एचडीएफसी बैंक, एलएडंटी, बजाज फिनसर्व,अल्ट्रा सीमेंट के शेयरों में अधिकतर गिरावट रही।

वित्तीय और उर्जा शेयरों में भारी बिकवाली की वजह से भी शेयर बाजार नीचे आया। साथ ही निवेशक अमेरिकी फेडरल रिजर्व

की 18 दिसंबर की बैठक से पहले ब्याज दरों में कटौती के संकेतों को लेकर सतर्क रुख अपना रहे हैं। इसकी वजह भी बाजार में आज बिकवाली देखने को मिल रही है। वहीं गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह भी बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। सेंसेक्स 200 से ज्यादा अंकों की गिरावट लेकर खुला जबकि निफ्टी 24,600 से नीचे आ गया। खुलने के बाद बाजार में गिरावट बढ़ गई। सेंसेक्स 800 अंक से ज्यादा टूट गया। निफ्टी 50 भी करीब 250 अंक फिसलकर 24500 के नीचे आ गया। बाजार में चौतरफा बिकवाली हावी रही। दक्षिण कोरिया में बाजार लाल निशान में कारोबार कर रहे थे क्योंकि देश में राजनीतिक अनिश्चितताओं का निवेशकों की भावनाओं पर असर पड़ रहा है। फेडरल रिजर्व नीति के नतीजों से पहले एशियाई बाजारों के ज्यादा बाजार ऊंचे स्तर पर कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी शेयर बाजार में सोमवार को मिलाजुला रुख रहा।

गौतम अडानी के छोटे बेटे जीत अडानी की प्री-वेडिंग सेरेमनी उदयपुर में शुरू

- क्या अडानी तोड़ेंगे मुकेश अंबानी का रिकॉर्ड?

मुंबई।

देश के उद्योगपति गौतम अडानी के छोटे बेटे जीत अडानी की प्री-वेडिंग सेरेमनी उदयपुर में शुरू हो चुकी है। जीत अडानी की सगाई इस साल मार्च में सूरत के हीरा कारोबारी जैमिन शाह की बेटी दीवा शाह से हुई थी। अब उनकी प्री-वेडिंग फंक्शन को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। उदयपुर के तीन शानदार और फाइव-स्टार होटल - ताज लेक पैलेस, लीला पैलेस, और उदय विलास पैलेस - बुक किए गए हैं जिसमें करीब 300 से अधिक मेहमान शामिल होंगे। अडानी परिवार अपनी प्राइवेट लाइफ को मीडिया और सोशल मीडिया से दूर रखता है, इसलिए इस आयोजन की ज्यादा तस्वीरें और डिटेल सामने नहीं आई हैं। अडानी परिवार के इस शादी के आयोजन का खर्च भी हैरान कर रहा है। ताज लेक पैलेस और लीला पैलेस जैसे लग्जरी होटलों के कमरों का किराया प्रति रात 75 हजार रुपये से लेकर 3.5 लाख रुपये तक है। उदय विलास होटल के

सबसे महंगे कोहिनूर सुइट का प्रतिदिन किराया लगभग 10 लाख रुपये है। इस देश के अमीर उद्योगपति मुकेश अंबानी के बच्चों की शादियों की तरह अडानी परिवार भी अपने छोटे बेटे की शादी को भव्य बना रहा है। इस समारोह से जुड़े लोग करीबी हैं और उनके बीच शादीशुदा होंगे। अडानी परिवार की आयोजनों में सादगी और मिटटी की खुशबू बनी रहती है। अंबानी परिवार के रिकॉर्ड आयोजनों को भी छूने की खातिर उदयपुर के इस आयोजन का महत्व उच्च है। जीत अडानी की शादी देश की दिग्गज उद्योगपति के परिवार के लिए नया इतिहास बना सकती है।

बिहार सरकार ने करीब 30,000 करोड़ के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी

बिहार बिजनेस कनेक्ट पटना में 19-20 दिसंबर को

पटना । बिहार सरकार ने करीब 30,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी देने का ऐलान किया। राज्य निवेश प्रोत्साहन बोर्ड की 58वीं बैठक में 52 इकाइयों के 28,881.55 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को सैद्धांतिक मंजूरी दी गई। 35 इकाइयों के 609.26 करोड़ रुपये के प्रस्तावों को वित्तीय स्वीकृति दी गई। बोर्ड में शामिल उद्योग सचिव और अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। इसके अलावा सरकार ने राज्य में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई हैं। हाल ही में खाद्य प्रसंस्करण निवेश बैठक और उद्यमी पंचायत का आयोजन किया गया। उद्यमी योजनाओं के लाभार्थियों को पहली और दूसरी किस्त की राशि का वितरण भी किया गया। इसी दिशा में राज्य सरकार ने बिहार बिजनेस कनेक्ट की घोषणा की है, जो 19-20 दिसंबर को पटना में आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मेलन में निवेशकों को राज्य के उद्योग विकास प्रस्तावों के बारे में जानकारी और व्यापारिक संपर्क साधने का मौका मिलेगा। बिहार में निवेश को बढ़ावा देने के इस प्रयास से राज्य के औद्योगिक विकास को सुनना मिलेगा और नौजवानों को रोजगार के नए अवसरों की साधना होगी।

बीएन समूह खाद्य तेल कारोबार बढ़ाने अफ्रीका में करेगा निवेश

कंपनी का लक्ष्य अगले पांच साल में अफ्रीकी बाजारों में अपनी मौजूदगी बढ़ाना

नई दिल्ली। खाद्य तेल बनाने वाले बीएन समूह ने अफ्रीका में निवेश करने की घोषणा की है। इस निवेश का आकार है एक अरब अमेरिकी डॉलर, जो करीब 8,000 करोड़ रुपये के बराबर है। कंपनी के मुख्य लक्ष्य है अगले पांच साल में चरणबद्ध तरीके से अफ्रीकी बाजारों में अपनी मौजूदगी बढ़ाना। बीएन समूह का यह निर्णय उसकी संयुक्त उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए है और तीन नई विनिर्माण सुविधाओं की स्थापना और ताड़ के बागानों में निवेश में आधारित है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि विस्तार की यह योजना उनके विश्वसनीय व्यापारिक मिशन का हिस्सा है, जो अफ्रीकी बाजारों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उनके मूल्य-संचालित व्यवसायों को मजबूती देगा। बीएन समूह का यह अफ्रीका में निवेश करने का कदम उनके दैनिक उपयोग की घरेलू वस्तुओं के क्षेत्र में उनकी उपस्थिति को मजबूत करने की दिशा में है। इससे संभावना है कि बीएन समूह अपनी व्यापक व्यापारिक हालात को और भी सुदृढ़ बनाएगा और वैश्विक स्तर पर एक महत्वपूर्ण खाद्य तेल उत्पादक बनेगा।

डिक्सन टेक्नोलॉजीज ने वीवो के साथ संयुक्त उद्यम की घोषणा की

- भारत में बढ़ सकती है कंपनी की हिस्सेदारी

मुंबई।

डिक्सन टेक्नोलॉजीज ने चीनी मोबाइल फोन विनिर्माता वीवो के साथ संयुक्त उद्यम की घोषणा की है, जिसमें डिक्सन वीवो के लिए और अन्य निर्माताओं के लिए भी फोन बना सकती है। इस संयुक्त उद्यम से होम इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग सर्विस कंपनी (ईएमएस) को देश के मोबाइल फोन असेंबली बाजार में 20 फीसदी हिस्सेदारी हासिल हो सकती है। डिक्सन के एक वरिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि यह सौदा डिक्सन को 22-23 फीसदी की हिस्सेदारी मिलने में मदद करेगा और वीवो को स्मार्टफोन और फीचर फोन बाजार में भी 20 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी हासिल हो सकती है। डिक्सन की सालाना स्मार्टफोन उत्पादन क्षमता है और कंपनी इस वर्ष लगभग 3 करोड़ फोन असेंबल कर रही है। दूसरी ओर वीवो जो हर साल लगभग 3 करोड़ स्मार्टफोन बेचती है, कुछ प्रतिशत माइक्रोमैक्स से लाती है, शेष खुद असेंबल करती है। वीवो ने ग्रेटर नोएडा में कारखाना बनाया है, और वहां सालाना 12 करोड़ फोन बनाएगी। विशेषज्ञों ने कहा है कि यदि वीवो पूरी जिम्मेदारी इस साझेदारी को देती है तो डिक्सन की स्मार्टफोन उत्पादन दोगुना हो सकता है और सालाना 6 करोड़ हो सकता है। इस मुद्दे पर अभी चर्चा जारी है।

रोजगार के लिए ईएलआई योजना के लिए अधिक वित्त आवंटन का मंत्रालय से आग्रह

वित्त वर्ष में केवल 6,000 करोड़ खर्च करने की उम्मीद

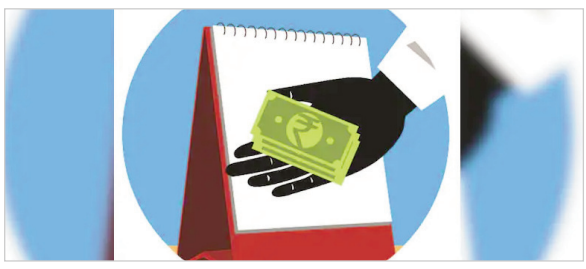

नई दिल्ली ।

भारतीय सरकार के श्रम और रोजगार मंत्रालय ने वित्त मंत्रालय से रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन (ईएलआई) योजना के लिए चालू वित्त वर्ष में अधिक धन आवंटन करने की मांग की है। मंत्रालय ने दावा किया है कि इस वर्ष कार्यान्वयन के प्रारंभ में अधिक वित्त आवश्यक है, जिससे रोजगार से जुड़ी योजनाओं को समय पर लागू किया जा सके।

मंत्रालय ने संसदीय समिति के एक सवाल के जवाब में बताया कि इस वर्ष नवीनतम ईएलआई योजना के लिए 6,852 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है, जिसमें से करीब एक-तिहाई से अधिक धन कम हो सकता है। यह योजनाएं फ्रेशरों, विनिर्माण क्षेत्र और अतिरिक्त रोजगार सृजन के लिए होने की उम्मीद है। मंत्रालय ने इस योजना के लिए 93 लाख लोगों को लाभ पहुंचाने का लक्ष्य रखा है।

साथ ही, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सहयोग से एक आईटी बुनियादी ढांचा तैयार किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) योजना को लागू करना है। समिति ने सरकार से इस प्रक्रिया को त्वरित और सुगम बनाने की अपील की है, ताकि रोजगार से जुड़े योजनाएं बिना किसी विघ्न के समय पर लागू की जा सकें। अगले साढ़े 6 साल में ईएलआई योजना के लिए कुल 1.07 लाख करोड़ रुपये का बजट आवंटन किया जाएगा। यह योजना भारतीय जनता को रोजगार के नए मौके प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मानव संसाधनों के विकास और आर्थिक सुधार के लिए ये प्रोत्साहन योजनाएं महत्वपूर्ण साबित हो सकती हैं।

नवंबर में व्यापार घाटा रिकॉर्ड 37.8 अरब डॉलर पर

- सोने के आयात में 4.3 गुना उछाल

मुंबई ।

व्यापार घाटा आयात खास तौर पर सोने का आयात 4.3 गुना बढ़ने से नवंबर में बढ़कर 37.8 अरब डॉलर की ऊंचाई पर पहुंच गया। वाणिज्य विभाग की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार नवंबर में आयात 27 फीसदी बढ़कर तकरीबन 70 अरब डॉलर रहा। दूसरी ओर निर्यात 4.8 फीसदी घटकर 25 महीने में सबसे कम 32.1 अरब डॉलर रहा। अक्टूबर में निर्यात में शानदार 17 फीसदी की वृद्धि देखी गई थी, जिसके बाद नवंबर में निर्यात घटा है। अ धिकारियों के अनुसार क्रिसमस से पहले पश्चिमी देशों में माल का स्टॉक बढ़ाने के लिए अक्टूबर में निर्यात मांग बढ़ी थी। वाणिज्य अे धिकारी ने कहा कि नवंबर में पेट्रोलियम की कीमतों में नरमी से निर्यात पर असर पड़ा है। मगर अच्छी बात यह रही कि गैर-पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात करीब 8 फीसदी बढ़ा है, जो दर्शाता है कि मांग पर असर नहीं पड़ा है। क्रिसमस मांग को लेकर निर्यात बढ़ रहा है जिसका अर्थ है कि गैर-पेट्रोलियम उत्पादों की मांग में निरंतर तेजी बनी हुई है। नवंबर में पेट्रोलियम निर्यात 49.6 फीसदी घटकर 3.7 अरब डॉलर रहा। इसके अलावा रत्न एवं आभूषण का निर्यात 26 फीसदी घटकर 2.06 अरब डॉलर रहा। निर्यात को बढ़ाने में इंजीनियरिंग वस्तुओं (13.7 फीसदी), दवाएं और फार्मास्युटिकल्स उत्पाद (1.1 फीसदी), इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं (54.7 फीसदी) और रेडिमेड परिधान (9.8 फीसदी) का अहम योगदान रहा। आंकड़ों के अनुसार नवंबर महीने में 14.9 अरब डॉलर मूल्य के सोने का आयात किया गया जो कुल वस्तु आयात का करीब 20 फीसदी है। वाणिज्य विभाग के अधिकारियों ने कहा कि सोने की कीमतों में करीब 30 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है जिसे देखते हुए सोने का आयात बढ़ा है। आने वाले महीनों में सोने के आयात में इतनी तेजी रहने की संभावना नहीं है, जिससे आगे चलकर व्यापार घाटा भी कम होगा।

इतिहास के सबसे बड़े घाटे की ओर बढ़ रहा अमेरिका

दो महीने में 624 अरब डॉलर पहुंच चुका है सरकार का घाटा

वाशिंगटन ।

अमेरिका की इतनी बड़ी इकॉनमी के बारे में एक चिंताजनक समाचार सामने आ रहा है। देश के राजकोषीय घाटे की तेजी से बढ़ती हुई रकम देश के भविष्य की चिंता बढ़ा रही है। फिस्कल ईयर के पहले दो महीनों में ही यह घाटा 624 अरब डॉलर पहुंच चुका है, जो पिछले साल की तुलना में 64 फीसदी अधिक है। अमेरिका की फेडरल सरकार द्वारा किए गए खर्चों की रकम बढ़ती जा रही है, जबकि उसका टैक्स रेवेन्यू कम हो रहा है। नवंबर में सरकार ने 669 अरब डॉलर खर्च किए, जबकि रेवेन्यू कलेक्शन 380 अरब डॉलर रहा। इससे साफ है कि देश का कर्ज भी बढ़ता जा रहा है। फेडरल सरकार के पास घरेलू और बाहरी कर्ज की बड़ी रकम है, जिससे देश की आर्थिक स्थिति पर सवाल खड़े हो रहे हैं। इस दौरान अमेरिका की विदेशी कर्ज की रकम भी अनुपातिक रूप से बढ़ रही है। अमेरिका के इतिहास में ऐसी स्थिति पहली बार हो रही है, और इससे देश के भविष्य पर चिंता की बातें उठ रही हैं। प्रशासन द्वारा लिए गए कदमों के परिणाम और मोड़ने वाली घबराहट देश की

सामग्री और आत्मविश्वास को भी खतरे में डाल रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बुमराह और आकाश दीप ने फॉलोऑन टाला

-ऑस्ट्रेलिया के 445 रनों के जवाब में भारतीय टीम ने पहली पारी में बनाये 252 रन

-राहुल ने 84 और जडेजा ने 77 रन बनाये

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में अपनी पहली पारी में 252 रनों पर ही आउट हो गयी। वहीं मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपनी पहली पारी में 445 रन बनाये थे। इस प्रकार भारतीय टीम बमुश्किल फॉलोऑन से बच सकी है। आज चौथे दिन केएल राहुल 84 और रविन्द्र जडेजा 77 को छोड़कर टीम के प्रमुख बल्लेबाज विफल रहे। अंत में जसप्रीत बुमराह और आकाशदीप सिंह ने 39 रन की साझेदारी कर भारतीय टीम को फॉलोऑन से बचाया। भारतीय टीम को फॉलोऑन से बचने के लिए 246 रनों की जरुरत थी।

आज सुबह तीसरे दिन के 4 विकेट 51 रन के से आगे खेलते हुए भारतीय टीम को राहुल और कप्तान रोहित शर्मा ने आगे बढ़ाने का प्रयास किया। रोहित एक बार फिर असफल रहे और 10 रन बनाकर ही पेवेलियन लौट गये। रोहित के आउट होने के समय तक भारतीय टीम को का स्कोर 74 रन था। इस प्रकार आधी टीम 74 रनों पर ही पेवेलियन लौट गयी। इसके बाद टीम को फॉलोऑन से बचाने के लिए राहुल के अलावा जडेजा ने भी अर्धशतक लगाकर अहम भूमिका निभाई। इन दोनों ने 67 रन की साझेदारी कर टीम को 141 रन तक पहुंचाया। तभी राहुल आउट हुए। नीतीश कुमार रेड्डी ने 16 रन बनाकर टीम को 194 रन तक पहुंचाया। अंत में बुमराह और आकाशदीप ने जरुरी 33 रन बनाकर पारी को फॉलोआन से बचाया।

भारत ने एक समय 7 विकेट पर 194 रन ही बनाये थे। उस समय जडेजा और नीतीश क्रीज पर थे पर तभी ऑस्ट्रेलिया ने तेजी से 3 विकेट लेकर भारतीय टीम के 9 विकेट 213 रनों पर ही गिरा दिये। ऐसे में बुमराह और आकाश दीप की जोड़ी ने किसी प्रकार टीम को संभालकर फॉलोऑन बचाने के लिए जरुरी रन बनाये। बुमराह और आकाश दीप ने मिलकर 39 रन बनाए। इससे टीम का स्कोर 9 विकेट पर 252 रन हो गया। इसी स्कोर पर दिन का खेल समाप्त घोषित कर दिया।

आकाशदीप और बुमराह ने भारत को फॉलोऑन से बचाया, गंभीर-कोहली खुशी से झूमे

गाबा (एजेंसी)। भारत भले ही इस टेस्ट मैच को न जीत पाए, लेकिन मंगलवार को ब्रिसबेन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के तीसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन टीम ने जो हासिल किया, उसके बाद वे विजेता से कम नहीं हैं। चौथे दिन सबसे बड़ा सवाल यह था कि क्या भारत (51/4 स्कोर) फॉलोऑन से बच पाएगा। यह अधिकांश समय असंभव लग रहा था, क्योंकि उनके पास कोई संभावना नहीं दिख रही थी। जब उन्होंने 213 रन पर अपना नौवां विकेट खो दिया तब भी 33 रन पीछे थे। लेकिन जसप्रीत बुमराह और आकाशदीप के जबरदस्त प्रयास ने भारत को 246 रन के आंकड़े को पार करने में मदद की। इसके बाद गौतम गंभीर और विराट कोहली की शुखी का कोई ठिकाना नहीं रहा।

बुमराह की बल्लेबाजी की योग्यता पर एक रिपोर्टर द्वारा सवाल उठाए जाने के कुछ घंटों बाद करारा जवाब मिला, भारत के तेज गेंदबाज ने अपनी टिप्पणी को सही ठहराया और 27 गेंदों पर 10 रन बनाकर नाबाद रहे। हालांकि सबसे बड़ा आश्चर्य उनके जोड़ीदार आकाश दीप से हुआ जिन्होंने 54 गेंदों पर 39 रनों की नाबाद साझेदारी में अधिकांश रन (31 गेंदों पर 27 रन) बनाए, जिससे भारत स्टंप्स तक 252/9 पर पहुंच गया। खेल में केवल तीन सत्र शेष हैं और बुधवार को बारिश की आशंका है, भारत मेलबर्न में 99.9 प्रतिशत जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया के साथ 1-1 की बराबरी पर है।

30 से अधिक रनों की जरूरत के साथ संभावना कम थी। जब तक बुमराह ने पैट कमिंस की गेंद पर छक्का लगाकर दर्शकों को उत्साहित नहीं कर दिया। आकाश और बुमराह ने खूब डबल्स बटोरे और शानदार तरीके से जरूरी रन बनाए। एक ओवर बाद जब चार रन बचे थे, आकाश ने स्लिप कॉर्डन के ऊपर से कमिंस को चौका लगाया जिससे भारतीय ड्रेसिंग रूम में उत्साह का माहौल बन गया। हेड कोच गौतम गंभीर तब तक शांत रहे और जैसे ही फॉलोऑल की लक्ष्य रेखा को भारत ने पार किया तो उन्होंने जोरदार जश्न मनाया। विराट कोहली ने हमेशा की तरह आक्रामक हाई-फाइव के साथ उनका साथ दिया। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

आकाश ने कमिंस की गेंद को लॉन्ग इन पर डीप ओवर में खेलकर भारत के फॉलो-ऑन से बचने का जश्न मनाया जिसे कोहली ने लगभग एक फैनबॉय की तरह देखा और अपनी आंखें चौड़ी करके इसे सराहा। अगली गेंद डॉट होने के बाद खराब रोशनी के कारण खेल रोक दिया गया, लेकिन कुछ ही देर बाद दिन का अंत हुआ। पर्थ में जीत के बाद पहली बार भारत ने धैर्य दिखाया है और उम्मीद है कि कल कुछ भी हो, वे इसे जारी रखेंगे। भारत अभी भी 193 रन से पीछे है। निश्चित रूप से ऑस्ट्रेलिया 26 दिसंबर से शुरू होने वाले बॉक्सिंग डे टेस्ट के लिए खुद को कुछ अभ्यास देने के लिए बल्लेबाजी करेगा।

सीनियर बैडमिंटन नेशनल्स आज से , चिराग और अनमोल खिताब बरकरार रखने उतरेंगे

बेंगलुरु (एजेंसी)। पुरुष एकल चैंपियन चिराग सेन और महिला एकल विजेता अनमोल खरब 18 दिसंबर से बेंगलुरु में खेली जाने वाली सीनियर बैडमिंटन नेशनल्स में अपना खिताब बराकरार रखने उतरेंगे। इस चैंपियनशिप की शुरुआत इंटर-जोनल टीम स्पर्धाओं से होगी, जबकि व्यक्तिगत टीम स्पर्धा 20 दिसंबर से शुरू होगी। इसमें मौजूदा चैम्पियन अपने-अपने खिताब का बचाव करने उतरेंगे।

वहीं इसको लेकर भारतीय बैडमिंटन संघ के सचिव संजय मिश्रा ने कहा, सीनियर नेशनल चैंपियनशिप घरेलू सर्किट का शीर्ष है और हमारे घरेलू सर्किट में प्रतिस्पर्धा के स्तर को देखते हुए, बेंगलुरु में बैडमिंटन प्रशंसकों को अगले सात दिनों में उच्च गुणवत्ता वाले मैच देखने को मिलेंगे और हम युवा खिलाड़ियों के बीच से कुछ नए स्टार खिलाड़ियों के उभरने का इंतजार कर रहे हैं। यह साल का अंतिम बाई टूर्नामेंट होगा। साल 2006-07 में चेतन आनंद द्वारा यह उपलब्धि हासिल करने के बाद से कोई भी पुरुष एकल खिलाड़ी खिताब बरकरार नहीं रख पाया है। वहीं महिला बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल (2006-07 और 2017-18) की इसी अवधि के दौरान लगातार खिताब जीतने वाली एकमात्र महिला एकल खिलाड़ी रही हैं। वहीं व्यक्तिगत स्पर्धा में लक्ष्य सेन को दुनिया के 34वें नंबर के खिलाड़ी प्रियांशु राजावत, दुनिया के 37वें नंबर के खिलाड़ी किरण जॉर्ज, पिछले संस्करण के फाइनलिस्ट एम. थारुन और बहुमुखी प्रतिभा के धनी प्रणय शेट्टीगर की अगुआई वाली युवा ब्रिगेड से कड़ी चुनौती का सामना करना होगा।

दूसरी ओर महिला वर्ग में, पिछले संस्करण की फाइनलिस्ट तन्वी शर्मा, अनुभवी मालविका बंसोड़, आकर्षि कश्यप, उन्नति हुड्डा, पूर्व चैंपियन अनुपमा उपाध्याय और उभरती हुई रक्षिता श्री अनमोल के लिए कड़ी चुनौती पेश कर सकती हैं। मिश्रित युगल चैंपियन ध्रुव कपिला और तनिषा क्रैस्टो, और महिला युगल में श्रुति मिश्रा और प्रिया देवी कोंजेंगबाम भी अपने खिताब का बचाव करना चाहेंगे।

वेस्टइंडीज के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन से फायदा, मंधाना वनडे और टी20 रैंकिंग में शीर्ष तीन में पहुंची

दुबई (एजेंसी)। भारतीय उप-कप्तान स्मृति मंधाना ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन की बदौलत अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की मंगलवार को जारी ताजा महिला एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में तीन स्थान के फायदे से दूसरे जबकि टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में एक स्थान के फायदे से तीसरे स्थान पर पहुंच गईं।

बाएं हाथ की बल्लेबाज मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के अंतिम मैच में 105 रन की पारी खेली जबकि वेस्टइंडीज के खिलाफ रविवार को मुंबई में पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 54 रन बनाए। मंधाना एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष 10 में एकमात्र भारतीय हैं। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर दो स्थान के नुकसान से 13वें जबकि हरलीन देओल नौ स्थान के फायदे से 64वें स्थान पर हैं।

गेंदबाजी रैंकिंग में दीप्ति शर्मा दो स्थान के नुकसान से पांचवें पायदान पर हैं। भारतीय तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी 48 स्थान की लंबी छलांग के साथ 51वें स्थान पर पहुंच गई हैं जबकि रेणुका ठाकुर 28वें से संयुक्त 26वें स्थान पर पहुंच गई हैं। इंग्लैंड की सलामी बल्लेबाज टैमी ब्यूमोंट दो स्थान के फायदे से 11 स्थान पर हैं। उन्होंने नाबाद 65 रन की पारी खेलकर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला 2-1 से जीतने में अहम भूमिका निभाई थी।

पर्थ में 50 रन बनाने वाली एशलेग गार्डनर 16वें से 15वें स्थान पर पहुंच गई हैं जबकि ताहलिया मैकग्रा आठ स्थान के फायदे से 24वें स्थान पर हैं। अनाबेल सदरलैंड 15 स्थान के फायदे से 29वें पायदान पर हैं।

उन्होंने भारत के खिलाफ 110 रन की मैच विजयी पारी खेली थी। गार्डनर गेंदबाजी रैंकिंग में भी दो स्थान के फायदे से तीसरे स्थान पर हैं जो उनके करियर की पिछली सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग भी है। वह ऑलराउंडर की सूची में भी चौथे से दूसरे पायदान पर पहुंच गई हैं।

दक्षिण अफ्रीका की मारिजेन कैप दो स्थान के फायदे से चौथे स्थान पर हैं जबकि इंग्लैंड की चार्ली डीन (दो स्थान के फायदे से सातवें स्थान पर), नैट स्किवर ब्रंट (एक स्थान के फायदे से 16वें स्थान पर) और लॉरेन बेल (चार स्थान के फायदे से 21वें स्थान पर) की तिकड़ी को भी फायदा हुआ है। दूसरी तरफ टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में हरमनप्रीत की शीर्ष 10 में वापसी हुई है। जेमिमा वेस्टइंडीज के खिलाफ 73 रन की पारी खेलकर छह स्थान के फायदे से 15वें स्थान पर हैं।

गेंदबाजी रैंकिंग में दीप्ति दो स्थान के फायदे से दूसरे पायदान पर हैं जबकि टिटास साधु 52वें स्थान पर पहुंच गई हैं। वेस्टइंडीज की ऑलराउंडर डिएंड्रा डॉटिन भारत के खिलाफ अर्धशतक जड़ने के बाद 21 स्थान के फायदे से 59वें पायदान पर हैं। बल्लेबाजी रैंकिंग में कियाना जोसेफ (22 स्थान के फायदे से 65वें स्थान) और गेंदबाजी रैंकिंग में करिश्मा रामहरक (छह स्थान के फायदे से 20वें स्थान पर) को भी फायदा हुआ है।

रोहित, शुभमन और यशस्वी से अधिक है भुवनेश्वर का औसत

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के शीर्ष बल्लेबाजों रोहित शर्मा, शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में विफल रहे हैं। इससे इनका औसत सीना देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) में गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार से भी कम हो गया है। इस सीरीज में विराट कोहली और यशस्वी जायसवा ने शतक लगाया है पर केएल राहुल के अलावा कोई और बल्लेबाज प्रभावित नहीं कर पाया है। टीम इंडिया का शीर्ष क्रम विफल रहा है। भुवनेश्वर का बल्लेबाजी औसत सीना देशों में 16 पारियों में 30.61 रहा है। वहीं रोहित का औसत 47 पारियों के बाद 29.20 है। शुभमन गिल का 19 पारियों के बाद 26.72 जबकि यशस्वी जायसवाल का 26.55 है। इसके अलावा भुवनेश्वर के टेस्ट में बल्लेबाजी के आंकड़ों की बात करें तो, उन्होंने भारत के लिए 3 अर्धशतक लगाकर 22.1 की औसत से 552 रन बनाए हैं। भुवनेश्वर ने अब तक भारत के लिए 21 टेस्ट, 121 एकदिवसीय और 87 टी20 मुकाबले खेले हैं। टेस्ट में उन्होंने 63, एकदिवसीय में 141 तो टी20 में 90 विकेट लिए हैं। भुवी अब टीम इंडिया का हिस्सा नहीं है। भुवनेश्वर ने आखिरी बार टेस्ट मैच 6 साल पहले 2018 में दक्षिण अफ्रीका में जोहानिसबर्ग में खेला था।

प्रधानमंत्री और खेलमंत्री ने एशिया कप विजेता भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम को बधाई दी

-हॉकी इंडिया ने हर खिलाड़ी को दिये दो लाख रुपये

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम की प्रशंसा करते हुए उसे एशिया कप जीतने पर बधाई दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम को एशिया कप खिताब जीतने पर बधाई दी है। टीम को एशिया कप में बहुत धैर्य और दृढ़ संकल्प के कारण ये जीत मिली है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह सफलता हॉकी के प्रति युवाओं में बढ़ते जुनून को भी दिखाती है। उन्होंने टीम को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

प्रधानमंत्री के अलावा केन्द्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने भी टीम की जीत पर बधाई दी। गौरतलब है कि भारतीय हॉकी टीम ने महिला जूनियर एशिया कप के फाइनल में चीन को पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से हराकर लगातार दूसरी बार खिताब जीता है। ये मुकाबल तय समय तक 1-1 से बराबरी पर था जिसके बाद ये शूटआउट में पहुंचा गया। जिसमें भारतीय टीम को 3-2 से जीत मिली। हॉकी इंडिया (एचआई) ने भी टीम को जीत पर पुरस्कार भी दिये हैं।

हॉकी इंडिया ने इस सफलता के लिए टीम के हर खिलाड़ी को 2 लाख रुपये और सहयोगी स्टाफ को 1 लाख रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है। पेनल्टी शूटआउट में भारतीय टीम की ओर से साक्षी राणा, इशिका और सुनीता टोप्पो ने गोल दागे।

खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने 'फिट इंडिया साइकिलिंग ड्राइव' लॉन्च किया

नई दिल्ली। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने मंगलवार को मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में 'फिट इंडिया साइकिलिंग ड्राइव' को हरी झंडी दिखाई। इस पहल का उद्देश्य साइकिल को परिवहन के एक स्थायी और स्वस्थ साधन के रूप में बढ़ावा देना है। स्टेडियम से रायसीना हिल्स और वापसी तक की तीन किलोमीटर की यात्रा में करीब 500 साइकिल चालक शामिल हुए। इस कार्यक्रम को मांडविया ने रक्षा खडसे, राज्य मंत्री (खेल), सांसद तेजस्वी सूर्या के साथ-साथ पेरिस पैरालंपिक की कांस्य पदक विजेता सिमरन शर्मा, राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता नीतू घणघस और एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता प्रीति पवार सहित कई अन्य खिलाड़ियों की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाई। मांडविया ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, '' हमने इस कार्यक्रम को 'फिट इंडिया साइकिलिंग मंगलवार' के रूप में लॉन्च किया है लेकिन साइकिल चलाने के शौकीनों की सुविधा के लिए इसे अब रविवार को आयोजित किया जाएगा और इसे 'संडे ऑन साइकिल' कहा जाएगा। खेल मंत्री ने कहा, ''डॉक्टर, पत्रकार, शिक्षक, कॉर्पोरेट पेशेवर और युवा रविवार को नयी दिल्ली के साथ देश के सभी हिस्सों में एक घंटे की साइकिल यात्रा में शामिल होंगे। साइकिल चलाने से पर्यावरण को बड़ा बढ़ावा मिलता है। यह प्रदूषण का कारगर समाधान है और स्थिरता में भी योगदान देता है।'' युवा मामले और खेल मंत्रालय के फिट इंडिया पहल, भारतीय साइकिलिंग महासंघ, 'एमवाई भारत' और विभिन्न खेल प्राधिकरणों के सहयोग से पूरे देश में इस कार्यक्रम का 1,000 से अधिक स्थान पर एक साथ आयोजन हुआ। साइकिलिंग प्रतियोगिताएं भारतीय खेल प्राधिकरण के क्षेत्रीय केंद्रों, राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों (एनसीओई) के साथ-साथ देश भर के खेलो इंडिया केंद्रों (केआईसी) में एक साथ आयोजित की गयी। इसमें 50,000 से अधिक लोगों ने भाग लिया।

न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को तीसरे टेस्ट में 423 रनों से हराकर साउदी को दी शानदार विदायी

हैमिल्टन (एजेंसी)। इंग्लैंड की टीम को मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट में 423 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में जीत के लिए 658 रनों के कठिन लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम चायकाल से पहले केवल 234 रनों पर ही आउट हो गयी। इंग्लैंड की टीम के कप्तान बेन स्टोक्स चोटिल होने के कारण बल्लेबाजी नहीं कर पाये। स्टोक्स को तीसरे दिन ही गेंदबाजी के दौरान ही बायीं हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी, इस कारण वह फील्डिंग नहीं कर पाये थे।

ये मेजबान न्यूजीलैंड की रनों के मामले में सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले न्यूजीलैंड ने 2018 में श्रीलंका को 423 रन से ही हराया था। इस जीत के साथ ही कीवी टीम ने अपनी तेज गेंदबाज टिम साउदी को जीत के साथ विदायी दी है। इंग्लैंड ने पहला टेस्ट आठ विकेट से और दूसरा 323 रन से जीता था। इस हार से इंग्लैंड की क्लीन स्वीप की उम्मीदें भी टूट गयी। आज इंग्लैंड ने दूसरी पारी में दो विकेट पर 18 रन से आगे खेलना शुरू किया पर उसके बल्लेबाज मेजबान गेंदबाजों का सामना नहीं कर पाये।

तीसरे विकेट के लिए जो रूट 54 और जैकब बेथेल 76 ने 104 रन की साझेदारी की पर इनके आउट होने के बाद टीम ढ़ह गयी। गुस एटकिंसन 43 और ओली पोप 17 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद विकेट लगातार गिरते रहे और न्यूजीलैंड की जीत पर मुहर लग गई। इस मैच में न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 347 रन बनाए थे। इसके जवाब में इंग्लैंड ने 143 रन ही बनाए। इस तरह कीवी टीम को पहली पारी में 204 रन की बढ़त मिली थी। इसके बाद दूसरी पारी में केन विलियमसन 156 की पारी के बल पर न्यूजीलैंड ने 453 रन बनाए थे।

अब मैं फैन बनकर क्रिकेट देखूंगा : टिम साउथी ने रिटायरमेंट होने पर कही यह बात

हैमिल्टन (एजेंसी)। अपने विदाई टेस्ट में 423 रनों से जीत के बाद न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउथी ने अपने दोस्तों, परिवार और टीम के सभी साथियों को धन्यवाद दिया, जो 17 साल से अधिक समय से उनकी यात्रा का हिस्सा थे। साउथी अब एक प्रशंसक के रूप में खेल देखने के लिए उत्सुक हैं। साउथी के लिए विदाई टेस्ट यादगार रहा। कीवी टीम ने इंग्लैंड को 658 रनों का लक्ष्य दिया था जिसे इंग्लैंड ने 423 रनों से गंवा दिया। साउदी ने पहली पारी में 23 रनों की पारी खेलते हुए तीन तीन छक्के लगाए थे। लेकिन वह 100 टेस्ट छक्कों के आंकड़े तक पहुंचने से सिर्फ दो कदम पीछे रह गए। अंतिम पारी में उन्हें बेन डकेट और जैकब बेथेल के विकेट मिले।

मैच के बाद की प्रस्तुति के दौरान, साउथी ने कहा कि इंग्लैंड को श्रृंखला जीतने पर बधाई। हमेशा की तरह आज भी मैंने शानदार भावना से खेला। मैंने वर्षों से खेलने का आनंद लिया है। इस अवसर पर मैं कुछ लोगों को धन्यवाद देना चाहता हूं। पिछले 17 वर्षों में उतार-चढ़ाव के दौर में न्यूजीलैंड क्रिकेट ने हमेशा साथ दिया। साथ ही सहयोगी स्टाफ को भी धन्यवाद देना चाहूंगा। प्रशंसकों को भी। प्रशंसकों के सामने आना हमेशा अच्छा होता है, और इस सप्ताह सेडॉन पार्क में भारी भीड़ के सामने खेलना बहुत खास रहा। अब मैं एक प्रशंसक के रूप में मैच देखने के लिए उत्सुक रहूंगा। साउदी ने 776 अंतर्राष्ट्रीय विकेटों के साथ खेल से संन्यास लिया है। वह सभी प्रारूपों में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले कीवी गेंदबाज हैं। साउथी ने 391 टेस्ट विकेट हासिल किए, जो रिचर्ड हैडली (431 विकेट) के बाद किसी भी न्यूजीलैंड गेंदबाज द्वारा दूसरा सबसे अधिक विकेट है। टी20 इंटरनेशनल में वह 164 विकेट के साथ अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। 221 एकदिवसीय विकेटों के साथ, वह काइल मिल्स (240 विकेट) और डैनियल विटोरी (297 विकेट) के बाद, कीवीज के लिए एकदिवसीय मैचों में तीसरे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। वह निचले क्रम के एक सक्षम बल्लेबाज भी थे, जिन्होंने 394 मैचों में 14.11 की औसत और 8 अर्द्धशतकों के साथ 3,288 रन बनाए। इनमें से अधिकांश रन टेस्ट में आए, जिसमें 15.48 की औसत से 2,245 रन बने, जिसमें 7 अर्द्धशतक शामिल थे। टेस्ट में उन्होंने 98 छक्के लगाए हैं। ऐसा कर वह टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले प्लेयरों की सूची में चौथे स्थान पर आ गए हैं। उन्होंने क्रिस गेल की बराबरी की है।

वेस्टइंडीज टीम के सभी प्रारूपों के कोच बने डैरेन सैमी

पोर्ट ऑफ स्पेन । क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) के निदेशक माइल्स बैसकॉम्ब ने डैरेन सैमी को वेस्टइंडीज की क्रिकेट टीम के सभी प्रारुपों का कोच नियुक्त किया है। वह अप्रैल 2025 में वर्तमान टेस्ट कोच आंद्रे कोले का स्थान लेंगे।

सीमित ओवर कोच डैरेन सैमी सभी प्रारूपों के लिए कोच बनाये जाने पर कहा, 'किसी भी प्रारुप में, किसी भी पद पर वेस्टइंडीज का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए हमेशा से सम्मान की बात है। हालांकि इस खबर की कल्पना मैंने भी नहीं की थी। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं कोच बनूंगा, लेकिन जिस तरह से अभी तक चीजे सामने आयी हैं उससे मुझे इस काम से प्यार हो गया है। मैं अपनी नई भूमिका, नई यात्रा के लिए भी उत्साहित हूं।' सैमी के कोचिंग कार्यकाल में मई 2023 से वेस्टइंडीज ने 28 में से 15 एकदिवसीय मैच जीते हैं। उन्होंने इस दौरान सात में से चार द्विपक्षीय सीरीज जीते हैं। वहीं टी-20 की बात करें तो टीम ने भारत, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चार घरेलू सीरीज जीती है। ओवरऑल उन्होंने इस दौरान 35 में से 20 टी-20 मैच जीते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ड्राइविंग के क्षेत्र में दो तरह से कॅरियर बनाया जा सकता है। मसलन, आप स्वयं के व्यवसाय के स्वामी और चालक हो सकते हैं। इसके लिए आप ओला और उबर के तहत पंजीकृत कुछ टैक्सी प्राप्त करें और इस उद्योग के माध्यम से भी अच्छी कमाई करें।

कॅरियर के लिए अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है ड्राइविंग

ड्राइविंग एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें कॅरियर बनाने के बारे में शायद ही कोई युवा सोचता हो। यकीनन यह कोई फुल टाइम प्रोफेशन नहीं है लेकिन फिर भी अगर आप इसे एक कॅरियर या व्यवसाय के रूप में देखते हैं तो इसमें भी आपके विकास की अपार संभावनाएं मौजूद है। यह उन लोगों के लिए एक अच्छा कॅरियर ऑप्शन साबित हो सकता है, जो बहुत अधिक पढ़े-लिखे नहीं है, लेकिन फिर भी अच्छी आमदनी करके एक बेहतर जिन्दगी जीना चाहते हैं। तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि ड्राइविंग के क्षेत्र में कॅरियर बनाकर आप किस तरह अपने सपनों को पूरा कर सकते हैं-

ऐसे बनाएं कॅरियर

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि ड्राइविंग के क्षेत्र में दो तरह से कॅरियर बनाया जा सकता है। मसलन, आप स्वयं के व्यवसाय के स्वामी और चालक हो सकते हैं। इसके लिए आप ओला और उबर के तहत पंजीकृत कुछ टैक्सी प्राप्त करें और इस उद्योग के माध्यम से भी अच्छी कमाई करें। इसके अलावा अगर आपके पास पर्याप्त पैसा नहीं है तो इस स्थिति में आप कुछ ओला व उबर आदि में बतौर कार चालक अपने कॅरियर की शुरूआत कर सकते हैं।

योग्यता

यह एक ऐसा क्षेत्र नहीं है, जिसके लिए किसी खास प्रोफेशनल डिग्री की आवश्यकता हो। आपको बस एक वाणिज्यिक ड्राइविंग लाइसेंस की आवश्यकता है और फिर कई ड्राइविंग स्कूल हैं जो आपको अपने आसपास के क्षेत्र में मिलेंगे। आप वहां से ड्राइविंग का प्रशिक्षण ले सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

अगर आप सच में अपने कॅरियर को ग्रोथ देना चाहते हैं तो इसके लिए आपमें कुछ स्किल्स का होना बेहद आवश्यक है। सबसे पहले तो आपको बेहद अच्छी तरह से कार ड्राइव करनी आनी चाहिए। यह आपके कॅरियर के लिए सबसे पहली और जरूरी शर्त है। इसके अलावा आप जिस शहर में हैं, वहां की सड़कों की आपको अच्छी जानकारी होनी चाहिए। वैसे इन दिनों जीपीएस के जरिए भी रास्तों के बारे में पता लगाया जा सकता है। वहीं आपमें बेहतर कम्युनिकेशन स्किल होना भी बेहद आवश्यक है। सारा दिन आपकी गाड़ी में कई कस्टमर आएंगे, आपका उनके प्रति व्यवहार कैसा होगा, इस पर काफी कुछ निर्भर करता है।

संभावनाएं

इस क्षेत्र में कॅरियर ग्रोथ काफी अच्छी है। सबसे पहले तो आप ओला व उबर के अलावा कई ड्राइविंग कंपनियों में बतौर ड्राइवर काम कर सकते हैं। इसके अलावा अगर आप चाहें तो ड्राइविंग इंस्टीट्यूट में बतौर टेनर भी काम कर सकते हैं और दूसरे लोगों को कार चलाना सिखा सकते हैं। इसके अलावा कुछ लोगों को पर्सनल कार ड्राइवर की जरूरत होती है, आप उनके लिए भी काम कर सकते हैं। वहीं खुद भी कार या टैक्सी लेकर उसे ड्राइव कर सकते हैं। इस तरह आप खुद ही मालिक बन सकते हैं।

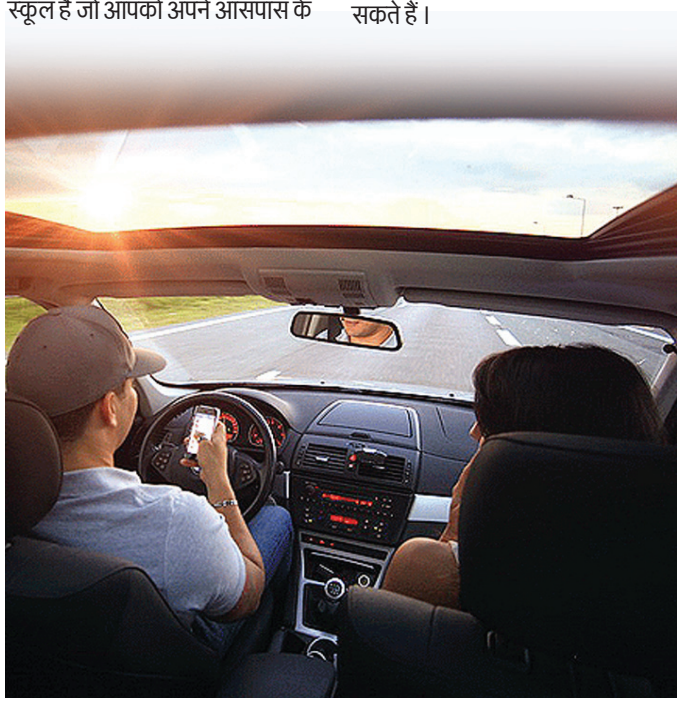

एक अच्छा मिक्सोलॉजिस्ट बनने के लिए अच्छा श्रोता होना व फ्रेंडली होना बेहद आवश्यक है। इसके अलावा एक्यूरेसी, बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स, आर्गेनाइजेशन स्किल्स, एनर्जेटिक, फलेक्सिबिलिटी, टीमवर्क, व क्रिएटिविटी जैसे गुण आपके काम को आसान बनाते हैं।

लीक से हटकर कुछ करना चाहते हैं तो मिक्सोलॉजी में देख सकते हैं अपना कॅरियर

अगर आप उनमें से हैं, जिन्हें नौ से पांच की जॉब करना अच्छा नहीं लगता। आप अपनी लाइफ में लीक से हटकर कुछ करना चाहते हैं तो ऐसे में मिक्सोलॉजी के क्षेत्र में अपना कॅरियर देख सकते हैं। यह एक बेहद ही डिफरेंट कॅरियर ऑप्शन है। एक मिक्सोलॉजिस्ट एक व्यक्ति है जो कॉकटेल और मिश्रित पेय बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के मादक पेय और अन्य सामग्री को मिलाता है। आमतौर पर लोग मिक्सोलॉजिस्ट को बारटेंडर ही समझते हैं, लेकिन इनमें अंतर है। बारटेंडर केवल बार में होते हैं और केवल पहले से मौजूद डिंक्स को ही बनाते हैं। जबकि मिक्सोलॉजिस्ट कई नए तरह के कॉकटेल बनाता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको इस कॅरियर के बारे में बता रहे हैं-

क्या होता है काम

एक मिक्सोलॉजिस्ट का काम बारटेंडर की तुलना में अधिक विस्तृत होता है। वे कई तरह की डिंक्स को मिक्स करके एक नया पेय पदार्थ बनाने के अलावा, बार को आर्गेनाइज करना, कस्टमर्स को नए डिंक्स के बारे में बताना और उन्हें एंटरटेन करना, नए पेय पदार्थों का सुझाव देना और मेन्यू में कुछ नए पेय पदार्थों को शामिल करना होता है। यह एक ऐसी जॉब है, जिसमें आप हर दिन कुछ नए एक्सपेरिमेंट करते हैं और खुद को एक्सप्लोर करते हैं। हालांकि यहां पर काम के कोई निश्चित घंटे नहीं होते।

स्किल्स

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि एक अच्छा मिक्सोलॉजिस्ट बनने के लिए अच्छा श्रोता होना व फ्रेंडली होना बेहद आवश्यक है। इसके अलावा एक्यूरेसी, बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स, आर्गेनाइजेशन स्किल्स, एनर्जेटिक, फलेक्सिबिलिटी, टीमवर्क, व क्रिएटिविटी जैसे गुण आपके काम को आसान बनाते हैं।

शैक्षणिक योग्यता

इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए किसी निश्चित डिग्री का होना आवश्यक नहीं है। आपके स्वाद की समझ ही आपको आगे लेकर जाती है। हालांकि, ज्यादातर कंपनियां ऐसे मिक्सोलॉजिस्ट को पसंद करती हैं जिनके पास बारटेंडिंग लाइसेंस होता है। उम्मीदवार किसी भी कंपनी में अल्पकालिक भुगतान प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लेकर प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

संभावनाएं

यकीनन यह एक अलग कॅरियर क्षेत्र है, लेकिन फिर भी अगर आप अपने काम में अच्छे हैं तो आपके पास काम की कोई कमी नहीं होने वाली है। आप बार या रेस्टोरेंट के अलावा, क्लब, पब, होटल, टैवर्न आदि में बेहद आसानी से काम कर सकते हैं। इसके अलावा कुछ कंपनियां फूड एंड बेवरेज शो या फिर कई मार्केटिंग इवेंट्स में अपनी सर्विसेज देने के लिए भी मिक्सोलॉजिस्ट को हायर करती हैं। इस तरह के इवेंट्स में आप अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं।

आमदनी

एक मिक्सोलॉजिस्ट की सालाना पूरी तरह से उस क्लब / रेस्तरां / बार पर निर्भर करेगा जिस पर वह काम कर रहा है। फिर भी शुरूआती दौर में आप दो से तीन लाख रूपए सालाना आसानी से कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, लखनऊ
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कोलकाता
- इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, अहमदाबाद
- नेशनल काउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी, नोएडा
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, मुंबई
- इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमैंट कैटरिंग टैक्नोलॉजी- एप्लाईड नुट्रीसन, कोलकाता
- सेंटमेरी कॉलेज, बैंगलोर
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, शिमला

कैसे बनें लेखपाल ? जानें योग्यता, एग्जाम पैटर्न, सैलरी व सभी जानकारी

लेखपाल राजस्व विभाग यानी रेवेन्यू डिपार्टमेंट के अंतर्गत काम करते हैं। लेखपाल को कुछ राज्यों में पटवारी, पटेल, कारनाम अधिकारी, शानबोगरु आदि नाम से जाना जाता है। यह एक सरकारी नौकरी है और इसमें जॉब सिक्योरिटी, पेंशन, पीएफ जैसे लाभ मिलते हैं।

आजकल अधिकतर युवा सरकारी नौकरी करना चाहते हैं। लेकिन सरकारी नौकरी पाना इतना आसान नहीं हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसी सरकारी नौकरी के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके लिए आपको ज्यादा मेहनत करने की जरुरी नहीं है। आज हम आपको बताएंगे कि आप लेखपाल कैसे बन सकते हैं - लेखपाल राजस्व विभाग यानी रेवेन्यू डिपार्टमेंट के अंतर्गत काम करते हैं। लेखपाल को कुछ राज्यों में पटवारी, पटेल, कारनाम अधिकारी, शानबोगरु आदि नाम से जाना जाता है। यह एक सरकारी नौकरी है और इसमें जॉब सिक्योरिटी, पेंशन, पीएफ जैसे लाभ मिलते हैं। आजकल युवाओं में इस पद की डिमांड बहुत ज्यादा है। लेखपाल बनने के लिए अभ्यर्थी को लिखित परीक्षा के साथ-साथ इंटरव्यू देना होता है।

लेखपाल दो तरह के होते हैं - राजस्व लेखपाल और चकबंदी लेखपाल। राजस्व लेखपाल आवासीय और व्यावसायिक जमीन से जुड़े काम देखते हैं और राजस्व लेखपाल आवासीय और व्यावसायिक जमीन से जुड़े काम देखते हैं।

योग्यता

- आपको किसी भी स्ट्रीम से बारहवीं पास होना चाहिए।
- मिनिमम परसेंटेज की कोई शर्त नहीं होती।
- उम्मीदवार के पास कम्प्यूटर कोर्स का सर्टिफिकेट होना जरूरी है।

आयु सीमा

लेखपाल बनने के लिए अभ्यर्थी की आयु 18 वर्ष और 40 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को नियमानुसार आयु में छूट प्रदान की जाती है।

लेखपाल बनने की परीक्षा

लेखपाल बनने के लिए लिखित परीक्षा और इंटरव्यू ये दो चरण होते हैं। लिखित परीक्षा 100 नंबर की होती है। इसके लिए 90 मिनट दिए जाते हैं। इसमें माइनस मार्किंग नहीं होती। परीक्षा में हिन्दी, सामान्य ज्ञान, गणित और ग्राम समाज और विकास के प्रश्न पूछे जाते हैं। हर सेक्शन में 25-25 प्रश्न होते हैं। लेखपाल की परीक्षा के लिए सामान्य ज्ञान, हिंदी सामान्य गणित और सामाजिक जीवन से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं। लिखित परीक्षा में पास होने वाले अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता है। लिखित परीक्षा और इंटरव्यू दोनों को मिलाकर जो भी मार्क्स मिलते हैं उसी के आधार पर लेखपाल को चुना जाता है।

सैलरी

एक लेखपाल की सैलरी 5200-20200 रूपए प्रतिमाह पे-ग्रेड के अनुसार होती है। लेखपाल एक क्लेरिकल पोस्ट है जो ग्रुप सी के अंतर्गत आती है।

टिफिन सर्विस का बिजनेस शुरू कर कमा सकते हैं लाखों

साफ-सफाई का खास ध्यान रहे और खाना बनाने से लेकर टिफिन डिलीवरी करने वाला व्यक्ति भी नीट और क्लीन रहे। साथ ही टिफिन बॉक्स में बेहतर क्वालिटी का हो, ताकि थाने के संदर्भ में अच्छी राय बने। टिफिन बॉक्स में खाना पैक करते समय इधर-उधर नहीं गिरना चाहिए।

कोरोनावायरस अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है और इस दौर में कई जमे जमाए बिजनेस और दूसरे प्रोफेशनों की कमर टूट चुकी है। कई लोगों की इस आपदा में नौकरी गई है तो कई लोगों का बिजनेस चौपट हुआ है। सबसे अधिक असर पड़ने वाली इंडस्ट्रीज में, फूड इंडस्ट्री पर निश्चित रूप से बड़ा असर पड़ा है। होटल, ढाबे जहां पर लोग इकट्ठे होकर खाना खाते थे, वहां बिजनेस जबरदस्त ढंग से प्रभावित हुआ है। पर लोगों की खाना खाने की जरूरतें तो कम नहीं हुई हैं, ऐसे में कई जगहों पर सुरक्षित टिफिन सर्विस एक बेहतर विकल्प के रूप में सामने आ सकता है। आइए देखते हैं इसकी कहां कहां और किस प्रकार उपयोगिता है और आप इसके जरिए किस प्रकार शुरुआत कर सकते हैं और किस प्रकार कमाई कर सकते हैं।

कारोबार को समझना जरूरी

ध्यान रखने वाली बात यह है कि बिजनेस चाहे कोई भी हो, किंतु उसे समझना एवं प्रबंधित करने का ढंग आपको वास्तविक रुप से उसका फायदा दिलाता है। अगर आप किसी बिजनेस को ठीक ढंग से मैनेज कर पाते हैं तो भारी मुनाफा और अच्छी क्रेडिबिलिटी हासिल कर सकते हैं। आखिर यूं ही तो आईआईएम से बड़े संस्थानों से निकले लोग सब्जी बेचकर या कोई छोटा मोटा रोजगार करके, या फिर खेती करके लाखों नहीं कमाते हैं? उनके कमाने के उदाहरणों से प्रबंधन के गुणों को सीखना जरूरी है।

कारोबार को प्रबंधित करने से पहले कारोबार को समझना और ग्राउंड वर्क करना जरूरी है। आप जिस भी क्षेत्र में रहते हों, आस पास अगर कोई टिफिन सर्विस चलती है तो उसके पास खुद एक ग्राहक बनकर जाएँ और देखें कि वहां पर किस प्रकार से आपको टिफिन दी जाती है, उसके रेट क्या है, सब्जी इत्यादि की वैरायटी क्या है, अलग-अलग दिनों में वेज और नॉनवेज का कॉम्बिनेशन क्या है? इतना ही नहीं, खाने की क्वालिटी कैसी है, डिलीवरी की टाइमिंग इत्यादि किस प्रकार से मैनेज किया जाता है, इन सब बातों को जब एक ग्राहक के तौर पर समझने की कोशिश करेंगे, तो आपको इसकी बारीकियां समझ आ जायेंगी।

कस्टमर मैनेजमेंट और मार्केटिंग

यह एक बेहद महत्वपूर्ण फैक्टर है। जब आप एक कारोबार को समझ लेते हैं और ग्राउंड वर्क कर लेते हैं तो आपके सामने बड़ी चुनौती आती है कि कस्टमर आप किस प्रकार से ढूँढें? तो इसके लिए आपको एडवर्टाइजमेंट करना पड़ेगा। इसके लिए आप खुद कैनवा जैसी ऑनलाइन सर्विस का प्रयोग करके अपनी टिफिन सर्विस का बैनर बना लें और व्हाट्सएप पर शेयर करें, खासकर उन कांटेक्ट में, जिस एरिया में आप बिजनेस करना चाहते हैं। शुरुआत में अगर आप के जानकार और आपके परिचित पहले ग्राहक बनते हैं, तो यह सबसे उत्तम होगा। एक तो ऑलरेडी वह आपको जानते हैं और दूसरे शुरू में विश्वास बनाने में आपको आसानी हो जाएगी। यह कार्य व्हाट्सएप पर आप आसानी से कर लेंगे, किंतु सिर्फ जानकारों में आप यह कार्य बढ़ा नहीं पाएंगे। कारोबार बढाने के लिए आपको पंपलेट छपवाने पड़ेंगे और आसपास के एरिया में डिस्ट्रीब्यूटर करना पड़ेगा। वह हॉस्टल हो सकता है, कंपनी हो सकती है, या कोई लोकलिटी हो सकती है। कस्टमर जब आपके बनने लगेंगे, तो उसको प्रबंधित करने में और क्वालिटी देने में आप चूक ना करें। ध्यान रखें, यह 21वीं सदी है और यहां पर जितनी बेहतरीन क्वालिटी और सर्विस आप देंगे, आपके ग्रो करने की संभावना उतनी ही अधिक होगी। कम लागत के लिए पहले एकाध कस्टमर से ही शुरू करें, और अनुभव के साथ महीने बाद कारोबार को गति दें।

ध्यान रहे कि यह बिजनेस ना केवल शहर में, बल्कि छोटे-छोटे कस्बों और यहां तक कि गांव तक में चलने लगा है। गांव में कई घरों में बुजुर्ग व्यक्ति होते हैं, जो अकेले होते हैं। उनके बच्चे दूर शहरों में रोजी रोटी के लिए गए होते हैं, तो उनके लिए भी यह बेहद उपयोगी सर्विस है। ऐसे में निश्चित रूप से आपको इससे पुण्य और पैसा दोनों मिल सकता है।

कुछ महत्वपूर्ण बातें

- साफ-सफाई का खास ध्यान रहे और खाना बनाने से लेकर टिफिन डिलीवरी करने वाला व्यक्ति भी नीट और क्लीन रहे। साथ ही टिफिन बॉक्स में बेहतर क्वालिटी का हो, ताकि थाने के संदर्भ में अच्छी राय बने। टिफिन बॉक्स में खाना पैक करते समय इधर-उधर नहीं गिरना चाहिए।
- मेन्यू अपडेट करते रहें। साथ ही ध्यान रखें कि स्वाद के चक्कर में ऐसा नहीं होना चाहिए कि कस्टमर के हेल्थ से समझौता हो जाए। कल्पना करें कि अगर कोई खाना खाने के बाद कस्टमर का पेट खराब हो जाता है या उसे अन हेल्दी फील होता है तो आप अपने ग्राहक खो देंगे। हां! स्वाद के लिए अपने मैन्यू में आप कोई मिठाई या दूसरी चीजें अपडेट करते रह सकते हैं।
- कस्टमर के फीडबैक के आधार पर किसी दिन उसकी पसंद का मैन्यू जरूर बना सकते हैं। त्यौहार इत्यादि के दिन पूरी या ऐसी दूसरी लोकल डिश कस्टमर को टेस्ट करा सकते हैं, पर यह कस्टमर के फीडबैक के आधार पर ही होना चाहिए।
- समय का पालन बहुत जरूरी है। अगर सुबह ब्रेकफास्ट 8:00 बजे पहुंचाते हैं, तो यह किसी हालत में 8 से लेट नहीं होना चाहिए, बहुत पहले भी नहीं होना चाहिए। समय पर डिलीवरी आपके बारे में एक बेहतरीन राय कायम करेगी। अगर किसी कारण वश देरी होने की सम्भावना है तो व्हाट्सअप या कॉल पर कस्टमर को अपडेट जरूर कर दें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हर दिन बदलती थी लोकेशन फिर पकड़ी गई निकिता सिंघानिया?

बेंगलुरु)। इंजीनियर अतुल सुभाष के आत्महत्या के सनसनीखेज मामले में मुख्य आरोपित पत्नी निकिता सिंघानिया ने गिरफ्तारी से बचने के लिए हर दिन अपनी लोकेशन बदली थी। वह उसकी तलाश कर रही बेंगलुरु पुलिस के सर्विलांस रडार से दूर रहने के लिए वाट्सएप कॉल ही करती थी। लेकिन उसने गलती से अपने एक रिश्तेदार को अपने फोन से कॉल कर दिया और पुलिस की गिरफ्त में आ गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि जब आरोपितों को पता चला कि कर्नाटक पुलिस उनको गिरफ्तार करने आ रही है तो उन्होंने जौनपुर स्थित अपने घर पर ताला लगा दिया। इसके बाद पुलिस ने घर की दीवारों पर नोटिस चिपकाकर उनको तीन दिन के भीतर पेश होने को कहा। लेकिन जैसे ही निकिता ने अपने एक रिश्तेदार को फोन से काल की, पुलिस सतर्क हो गई।

पुलिस ने निकिता से की लंबी पूछताछ

टावर की लोकेशन के आधार पर पुलिस गुरुग्राम पहुंची। निकिता रेल विहार इलाके में एक पीजी में छिपी थी, जहां से उसे गिरफ्तार किया गया। जब पुलिस ने उससे सख्ती से पूछताछ की तो उसने अपनी मां और भाई को फोन मिलाया। पुलिस ने उनकी लोकेशन हासिल की और उनको झूंसी से पकड़ लिया। पुलिस ने बेंगलुरु ले जाते समय उनसे नौ घंटे तक पूछताछ की।

मध्य प्रदेश-राजस्थान समेत दस राज्यों में शीतलहर, 13 राज्यों में घने कोहरे का अलर्ट

नई दिल्ली। देश के 13 राज्यों में घने कोहरे का अलर्ट है। मध्य प्रदेश, राजस्थान, यूपी और जम्मू-कश्मीर समेत 10 राज्यों में मंगलवार को कोल्ड वेव का अलर्ट जारी किया है। मध्य प्रदेश में 12 जिले शीतलहर की चपेट में हैं। भोपाल में 53 साल बाद में दिसंबर महीने में सोमवार रात 3.3 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ सबसे ज्यादा ठंड रही। इससे पहले 1971 में 3.6 डिग्री तापमान दर्ज किया गया था। राजस्थान में शेखावाटी के फतेहपुर में पारा माइनस में रहने का अनुमान है। फतेहपुर में सोमवार को न्यूनतम तापमान -1.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया है। बर्फबारी और तापमान गिरने से जम्मू-कश्मीर में शीतलहर जारी है। श्रीनगर में मंगलवार सुबह पारा माइनस 4 डिग्री रिकॉर्ड हुआ, जिससे कई जगह फव्वारों में भरा पानी जमने लगा। पेड़-पौधों पर भी ओस जम गई। दिल्ली में दिसंबर में चौथी बार तापमान 5 डिग्री से नीचे गया। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में 5वीं तक स्कूल प्रदूषण और ठंड के चलते बंद कर दिए गए हैं। महाराष्ट्र, तेलंगाना में भी तापमान में कमी आ रही है। आंध्र, तमिलनाडु में आज भी बारिश का अलर्ट है।

महाकुंभ 2025 को लेकर रेलवे ने लिया फैसला, जनरल कोच के यात्री फी करेंगे यात्रा

नई दिल्ली। महाकुंभ 2025 में यात्रियों की सुविधा को देखते हुए रेलवे ने एक प्रस्ताव रखा है। कुंभ में शामिल होने वाले जनरल कोच के यात्रियों के लिए यात्रा को मुफ्त करने पर विचार किया जा रहा है। 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 के बीच प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुंभ में देशभर से लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। रेलवे के मुताबिक इस दौरान रोजाना पांच लाख से ज्यादा यात्री जनरल कोच में सफर करेंगे। रेलवे की योजना है कि कुंभ से लौटने वाले यात्रियों को प्रयागराज से 200-250 किलोमीटर तक की यात्रा के लिए टिकट खरीदने की जरूरत नहीं होगी। यह सुविधा विशेष रूप से सामान्य श्रेणी के यात्रियों को दी जाएगी। जो यात्री 250 किलोमीटर से ज्यादा दूरी तय करना चाहते हैं, उन्हें ट्रेन में ही टीटीई से टिकट लेना होगा। कुंभ से लौटने वाले यात्रियों को इस स्थिति में जुर्माना नहीं लगेगा। महाकुंभ में भीड़ को नियंत्रित करने और यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे 3 हजार विशेष ट्रेनें चलाएगा। ये ट्रेनें कुंभ के 45 दिनों के दौरान 13 हजार से ज्यादा फेरे लगाएंगी। रेलवे के इस फैसले का मुख्य उद्देश्य कुंभ के दौरान भीड़ प्रबंधन को आसान बनाना और श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुविधाजनक यात्रा का अनुभव कराना है। महाकुंभ 2025 में रेलवे का यह कदम श्रद्धालुओं के लिए बड़ी राहत साबित होगा और यात्रा को सुगम बनाएगा।

पारिवारिक मित्र के अंतिम संस्कार में शिरकत करने महाबलेश्वर पहुंचे थे राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी महाबलेश्वर के निजी दौर पर थे। बात दें कि राहुल गांधी यहां पारिवारिक मित्र के अंतिम संस्कार में शिरकत के लिए गए थे। राहुल गांधी शाम को पुणे पहुंचे, वहां एक होटल में रुके और सुबह मुंबई के मशहूर आंखों की बीमारी के जानकार डॉ बुर्जोर पी बानाजी के बेटे रेयान बी बानाजी के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए महाबलेश्वर के लिए रवाना हुए, जिनका पिछले दिनों खेल के मैदान में मौत हुई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक 35 वर्षीय रेयान का कुछ दिन पहले निधन हो गया था, जब वह पुर्तगाल के लिस्बन में एक रग्बी टूर्नामेंट खेलने गए थे। इस महीने की शुरुआत में एक खेल के दौरान रेयान को दिल का दौरा पड़ा और उनका निधन हो गया। रियान का पार्थिव शरीर परिवार के पैतृक शहर महाबलेश्वर पहुंचा। राहुल गांधी रविवार रात को नई दिल्ली से पुणे पहुंचे और वहां से अंतिम संस्कार के लिए महाबलेश्वर पहुंचे। सबसे पहले राहुल गांधी बनजी के घर गए और उनके माता-पिता डॉ बुर्जोर और पत्नी जीनल, रेयान की विधवा रोशनी दादाचंजी और शोक में डूबे परिवार के अन्य सदस्यों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

नाना पटोले ने पद से इस्तीफा देने की जताई इच्छा, आलाकमान करेगा फैसला

नागपुर। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष नाना पटोले ने अपने पद से इस्तीफा देने की इच्छा जाहिर की है और अब पार्टी आलाकमान इस पर फैसला करेगा। पत्रकारों से बातचीत में पटोले ने कहा कि राज्य विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल का नेता आज चुना जाएगा। पटोले ने पिछले हफ्ते साफ कर दिया था कि उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया है और अफवाहें फैलाई जा रही हैं। पटोले ने कहा कि कांग्रेस के महाराष्ट्र प्रभारी मंगलवार शाम को शहर पहुंचेंगे और राज्य विधानसभा में पार्टी नेता का चुनाव किया जाएगा।

नडडा का कांग्रेस पर हमला, पाक अधिकृत कश्मीर नेहरु की सबसे बड़ी गलती

नई दिल्ली (एजेंसी)। संविधान की यात्रा पर चर्चा के दौरान राज्यसभा में नेता सदन जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि यदि हम वेद और पुराने शास्त्रों को देखने पर उनमें सभा, समिति, संसद जैसे शब्दों का प्रयोग हुआ है। यह इस बात को बताता है कि चर्चा, बहस जैसी चीजें हमारी संस्कृति में रही हैं। राज्यसभा में नेता सदन नड्डा ने कहा कि संविधान की मूल प्रति में हमें अजंता एलोरा, कमल के फूल की छाप मिलती है। कमल का फूल इस बात को प्रतिलक्षित करता है कि हम कीचड़ में से निकल करके आजादी की लड़ाई लड़कर नई सुबह के साथ खड़े होने के लिए तैयार हैं।

उन्होंने कहा कि यदि पिछले 75 साल की यात्रा पर बात करें तब पता लगता है कि बाबा साहब अंबेडकर कितने दूरदर्शी थे। देश को जोड़ने का काम तब के गृहमंत्री सरदार पटेल को दिया गया। उन्होंने 562 रियासतों को जोड़ा। एक जम्मू कश्मीर की रियासत का जिम्मा प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने लिया था। तब जम्मू कश्मीर में आर्टिकल 370 लगाया गया। इसका नतीजा यह हुआ कि संसद द्वारा पारित किए गए 106 कानून जम्मू कश्मीर में लागू नहीं होते थे। तभी जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने आर्टिकल 370 का विरोध किया था। जनसंघ के नेता मुखर्जी ने कहा था कि एक देश में दो निशान, दो विधान और दो प्रधान नहीं चल सकते है। उन्होंने बलिदान दिया और श्रीनगर की जेल में संदिग्ध स्थिति में उन्होंने अंतिम सांस ली।

नड्डा ने कहा कि पश्चिमी पाकिस्तान से आए व्यक्ति भारत में प्रधानमंत्री और उप प्रधानमंत्री बने। इसमें मनमोहन सिंह, आई के गुजराल और लाल कृष्ण आडवाणी शामिल थे। लेकिन पीओके से आया हुआ व्यक्ति जम्मू कश्मीर की पंचायत का चुनाव तक नहीं लड़ सकता था, यह आर्टिकल 370 की देन थी। उन्होंने कहा कि 5 अगस्त 2019 को आर्टिकल 370 को इतिहास बना दिया गया। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बहुत-बहुत बधाई देता हूं कि उनकी सूझबूझ के कारण आज जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न अंग बन गया। नड्डा ने कहा कि अगले वर्ष 25 जून 2025 को आपातकाल लगाने के 50 वर्ष पूरे हो जाएंगे। इस दिन को लोकतंत्र विरोधी दिवस के रूप में मनाया जाएगा। कांग्रेस यदि आपातकाल को गलत मानती है तब कांग्रेस भी इसमें शामिल हो, इस बात का हम आह्वान करते हैं।

विपक्ष पर हमलावर नड्डा ने कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर आपका योगदान है। उन्होंने कहा कि चीन ने भारत की 38,000 वर्ग किलोमीटर भारत भूमि कब्जा कर ली, क्योंकि तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने रक्षा तैयारियों की अनदेखी की थी।

पंजाब के इस्लामाबाद में जोरदार धमाका! बाल-बाल बची लोगों की जान

- खालिस्तानी आतंकी हैप्पी के करीबी गैंगस्टर ने ली हमले की जिम्मेदारी!

अमृतसर। अमृतसर के थाना इस्लामाबाद में रात 3:15 पर एक जबरदस्त ब्लास्ट होने के बाद पुलिस ने तत्काल थाने के गेट बंद कर लिए। ब्लास्ट में कोई घायल नहीं हुआ है, लेकिन मौके पर तनाव महसूस किया जा रहा है। खालिस्तानी आतंकी हैप्पी पसिया के करीबी गैंगस्टर जीवन फौजी ने सोशल मीडिया पर अपनी जिम्मेदारी ली है और इस घटना के पीछे अपना नाम जोड़ रखा है। जीवन फौजी ने दावा किया है कि वह पंजाब पुलिस के अनुवाद के खिलाफ बदला चाहते हैं। पुलिस कमिश्नर ने एक वीडियो में बताया कि उन्होंने आवाज सुनी थी और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। नेशनल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी ने भी चेतावनी जारी की है कि पंजाब में पुलिस थानों पर आतंकी हमलों की संभावना है। इस घटना के पीछे का सच सामने आने के लिए आगे की जांच जारी है। लोगों में घबराहट और खौफ बन रहा है जबकि सुरक्षा बारें में ज्यादा जानकारी की मांग की जा रही है। नेशनल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी एनआईए ए पहले ही पंजाब पुलिस को अलर्ट कर चुकी है जिसमें एनआईए द्वारा भेजी गई एक रिपोर्ट में साफ किया गया है कि पंजाब में पुलिस थानों पर आतंकी हमले की साजिश हो रही है और पुलिस को तर्क रहने की जरूरत है रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि खालिस्तानी आतंकी 1984 में इस्तेमाल किए गए डैड ड्रॉप मॉडल की तर्ज पर हमला करेंगे जिसे लेकर केंद्र की सुरक्षा जनसंख्या पूरी तरह से हाई अलर्ट पर है और पंजाब पुलिस को भी अलर्ट रहने की चेतावनी दी गई थी।

जॉर्जिया में जहरीली गैस से 11 भारतीयों की दर्दनाक मौत, बेडरूम में मिली सभी की लाश

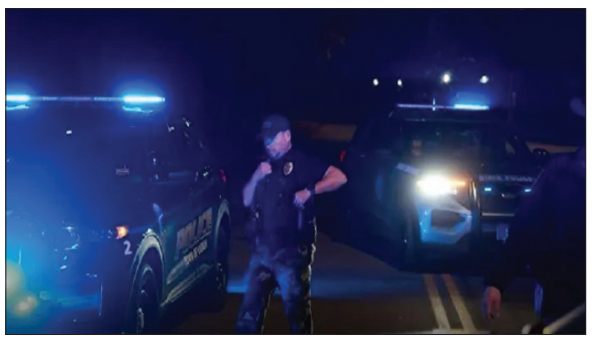

*** शुरुआती जांच में किसी भी तरह की चोट या हिंसा के सबूत नहीं मिले**

नई दिल्ली (एजेंसी)। जॉर्जिया के पर्वतीय रिसॉर्ट गुदौरी के एक रेस्तरां में 11 भारतीय नागरिक की मौत हो गई। इसकी जानकारी भारतीय मिशन ने दी। जॉर्जिया के आंतरिक मामलों के मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि शुरुआती जांच में किसी भी तरह की चोट या हिंसा के संकेत नहीं मिले हैं। मीडिया रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से बताया गया है कि सभी की मौत कार्बन मोनोऑक्साइड से हुई है। भारतीय मिशन ने यहां जारी एक बयान में शोकसंतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। मिशन ने कहा कि मारे गए भारतीय नागरिकों के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है और मामले में हरसंभव सहायता दी जाएगी।

इससे पहले भारतीय मिशन ने कहा था कि सभी 12 मृतक भारतीय नागरिक थे। सभी मृतक उक्त भारतीय रेस्तरां में बतौर कर्मचारी काम कर रहे थे और उनके शव दूसरी मंजिल पर शयन कक्षों में पाए गए। सूत्रों ने बताया कि जान गंवाने वाले लोग उत्तर भारत से ताल्लुक रखते थे। जॉर्जिया के आंतरिक मामलों के मंत्रालय ने कहा कि मृतकों में 11 विदेशी हैं जबकि एक जॉर्जियाई नागरिक है।

पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। यह लापरवाही से जुड़ी मौत का मामला है। पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच के मुताबिक शयन कक्षों के पास एक बंद स्थान में विद्युत जनरेटर रखा गया था, जिसे संभवतः शुक्रवार रात विद्युत आपूर्ति बंद होने के बाद चालू किया गया था। इसने बताया कि मौत के सही कारणों का पता लगाने के लिए फॉरेंसिक जांच भी की जा रही है।

संभल पर राजा भैया की दो टूक: बोले पत्थर मारने से फैसले नहीं पलटते

लखनऊ (एजेंसी)। संभल में मस्जिद के सर्वे के दौरान प्रशासन पर पत्थरबाजी और हमले के बाद भड़की हिंसा पर यूपी विधानसभा में भी चर्चा कराने की मांग उठ रही है। इस मौके पर जनसत्ता दल के विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने सपा के सदस्यों पर ही सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि संभल पर जो विपक्ष के नेताओं ने दलील दी है, वह गले उतरने वाली नहीं है। उन्होंने कहा कि पत्थरबाजी गलत थी और उसी के कारण हिंसा भड़की। संभल हालात बिगड़ने की वजह सर्वे नहीं था बल्कि प्रशासन पर हमला था।

राजा भैया ने कहा कि यह स्पष्ट हो जाना चाहिए कि जो सर्वे हुआ है, वह न्यायालय के आदेश पर था। मैं यह पूछना चाहता हूं कि क्या पत्थर चलाने से अदालत का निर्णय बदल जाता है। इसका तरीका यही है कि आप ऊपरी अदालत में जाएं और वहां फैसले को चुनौती दें। लेकिन प्रशासन पर पत्थर मारे गए और पुलिसकर्मी घायल हुए। यहां किसी ने भी पुलिस वालों के बारे में एक शब्द नहीं कहा। यह ठीक उसी तरह था, जैसे 22 साल के रामगोपाल मिश्र की बहराइच में हत्या हुई। यह निर्मम कत्ल था, उसके नाखून तक निकाल लिए गए। उसका अपराध क्या था कि उसने अपने धर्म का झंडा लगा दिया गया।

सपा नेताओं की ओर से कुंदरकी विधानसभा उपचुनाव में भाजपा की जीत को लूट बताने पर भी राजा भैया बोले। उन्होंने कहा कि इनका कहना था कि कुंदरकी में 65 फीसदी मुसलमान थे और यदि तब भी रामबीर सिंह जीते हैं तो यह मतों की लूट थी। अब यदि इसी बात को पूछ लें कि क्या जहां 65 फीसदी हिंदू हैं, वहां मुसलमान को जीतना नहीं चाहिए। क्या यह धरती का आश्चर्य है कि यदि 65 फीसदी मुसलमान है तो फिर हिंदू कैसे जीत गया। उन्होंने कहा कि जीते हुए मेंबर को लुटेरा कहना आपत्तिजनक है। क्या यह तय मान लिया जाए कि जहां हिंदू अधिक हैं, वहां हिंदू ही जीतना चाहिए।

क्या जहां हिंदू ज्यादा हैं, वहां मुसलमान नहीं जीतना चाहिए?

पीएम मोदी के पोस्ट से तिलमिलाया बांग्लादेश, भूल गया एहसान

-1971 का दर्द भूलकर अत्याचार करने वालों के साथ हो गया खड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में चारों तरफ हिंसा का माहौल है। वह भारत से भी रिश्ते खराब कर रहा है। विजय दिवस पर पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा सोशल मीडिया पर की पोस्ट से बांग्लादेश तिलमिला उठा है। बांग्लादेशी विधि सलाहकार आसिफ नज़रुल ने पीएम मोदी की पोस्ट पर आपत्ति जताई है और कहा मैं पीएम मोदी की पोस्ट का कड़ा विरोध करता हूं। 16 दिसंबर, 1971 बांग्लादेश का विजय दिवस था। भारत इस विजय में सहयोगी था, इससे ज़्यादा कुछ नहीं। बता दें भारत ने बांग्लादेश की आजादी में मदद की थी। यह बात सब जानते हैं लेकिन अब नया बांग्लादेश इन बातों को भूल गया है और जिस देश ने उसपर अत्याचार किए थे उसके साथ खड़ा हो गया है।

बता दें पीएम मोदी ने अपने पोस्ट में लिखा था-आज विजय दिवस पर हम उन बहादुर सैनिकों के साहस और बलिदान का सम्मान करते हैं, जिन्होंने 1971 में भारत की ऐतिहासिक जीत में योगदान दिया था। उनके निस्वार्थ समर्पण और अटूट संकल्प ने हमारे देश की रक्षा की और हमें गौरव दिलाया। पीएम मोदी ने अपने पोस्ट में आगे लिखा कि यह दिन उनकी असाधारण वीरता और उनकी अडिग भावना को श्रद्धांजलि है। उनका बलिदान हमेशा पीढ़ियों को प्रेरित करेगा और हमारे देश के इतिहास में गहराई से अंकित रहेगा।

मंत्रिमंडल में जगह न मिलने से नाराज हुए छगन भुजबल, बड़े कदम की आहट

नासिक (एजेंसी)। महाराष्ट्र की महायुति सरकार में एनसीपी नेता छगन भुजबल को मंत्रिमंडल में जगह न मिलने के बाद सियासी हलचल है। भुजबल ने अपनी नाराजगी खुले तौर पर जाहिर कर कहा, 'जहां नहीं चैना, वहां नहीं रहना। नागपुर सत्र छोड़कर भुजबल नासिक लौट गए, जहां उन्होंने अपने समर्थकों और समता परिषद के नेताओं से विचार-विमर्श की बात कही। भुजबल का कहना है कि जब वे राज्यसभा जाना चाहते थे, तब पार्टी ने उन्हें मौका नहीं दिया और अब विधानसभा का सदस्य होने के बावजूद राज्यसभा सीट की पेशकश करना ठीक नहीं। भुजबल ने कहा कि यह उनके क्षेत्र के मतदाताओं के साथ अन्याय होगा, जिन्होंने उन्हें जीतकर विधानसभा भेजा है।

राज्य में ओबीसी राजनीति के बड़े नेता भुजबल ने महायुति के पक्ष में ओबीसी वोटों को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। मराठा आरक्षण के दौरान उन्होंने मनोज जरांगे पाटिल के विरोध में सबसे पहले आवाज उठाई थी, इसके बाद उनका ओबीसी समाज में कद और मजबूत हुआ था। हालांकि, एनसीपी के भीतर उनकी अनदेखी और राज्यसभा चुनाव में अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार को भेजने पर वे पहले भी नाराजगी जता चुके हैं। भुजबल के इस रुख के बाद राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि वह जल्द ही कोई बड़ा फैसला ले सकते हैं। हालांकि, कुछ का कहना है कि भुजबल अंततः राज्यसभा पर राजी हो जाएंगे। दूसरी ओर, उनके समर्थक लगातार यह सवाल उठा रहे हैं कि आखिर भुजबल जैसे अनुभवी नेता को क्यों दरकिनार किया जा रहा है?

भुजबल की नाराजगी के चलते महायुति के भीतर समीकरण बिगड़ने की आशंका है। ओबीसी समाज में उनकी पकड़ मजबूत है और उनके अगले कदम से महाराष्ट्र की राजनीति में बड़ा उलटफेर हो सकता है। भुजबल ने राज्य के ओबीसी समाज के लिए काम करने वाली समता परिषद की बैठक बुलाई है, जहां उनके अगले कदम पर चर्चा की जाएगी।

प्रियंका के फिलिस्तीन वाले बैग की पाकिस्तान में जमकर हो रही तारीफ

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वायनाड से कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के फिलिस्तीन लिखे बैग की पाकिस्तान में जमकर तारीफ हो रही है।पाकिस्तान सरकार में पूर्व मंत्री चौधरी फवाद हुसैन ने प्रियंका गांधी की तारीफ की है। उन्होंने यह तक कह दिया कि इतना हिम्मत पाकिस्तान की संसद में कोई नहीं दिखा सका। चौधरी ने एक्स पर लिखा, महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी जवाहरलाल नेहरू की पोती से और क्या उम्मीद कर सकते हैं? प्रियंका गांधी ने बौनों के बीच में अपना ऊंचा कद दिखाया है। शर्म की बात है कि अब तक किसी भी पाकिस्तानी सांसद ने ऐसी हिम्मत नहीं दिखाई। धन्यवाद।

खास बात है कि नई दिल्ली में फिलिस्तीन दूतावास प्रमुख आबिद अलरजाक अबू जाजर ने पिछले हफ्ते प्रियंका गांधी से मुलाकात कर कांग्रेस नेता को केरल के वायनाड से उनकी हालिया चुनावी जीत पर बधाई दी थी।

इधर, भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने आश्चर्य जताया कि वह क्या संदेश देना चाहती थीं। उन्होंने दावा किया, प्रियंका गांधी ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार पर एक शब्द भी नहीं बोला, लेकिन फिलिस्तीन लिखा बैग के साथ एक फैशन स्टेटमेंट बनाना चाहती हैं। इस पर प्रियंका ने जवाब दिया कि सरकार को बांग्लादेश सरकार से बात कर अत्याचार रोकने चाहिए।भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा था, जहां तक गांधी परिवार के सदस्यों की बात है, यह कुछ नया नहीं है। नेहरू से लेकर प्रियंका वाड्रा तक गांधी परिवार के सदस्य तुष्टिकरण का बैग लेकर घूमते हैं...। उन्होंने कभी भी अपने कंधों पर देशभक्ति का बैग नहीं टांगा। यह बैगेज ही उनकी हार के पीछे की वजह है।

मेरा राजनीतिक कॅरियर गांधी परिवार से शुरु हुआ और उन्हीं के द्वारा खत्म भी

-मणिशंकर अय्यर ने अपनी किताब में किया जीवन से जुड़ी बातों का खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने एक किताब लिखी है। जिसमें उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन से जुड़ी बातों का जिक्र किया है। अपनी आगामी किताब ए मैवरिक इन पॉलिटिक्स पर मणिशंकर अय्यर ने कहा कि मेरे राजनीतिक करियर की शुरुआत गांधी परिवार से हुई और खात्मा भी उन्हीं के द्वारा हुआ। उन्होंने बताया कि पिछले दस सालों से सोनिया गांधी से उनकी मुलाकात नहीं हुई है। राहुल गांधी से मिलने का मौका नहीं मिला और प्रियंका गांधी से फोन पर बातचीत होती है।

अय्यर ने एक साक्षात्कार में कांग्रेस पार्टी और गांधी परिवार के साथ अपने व्यक्तिगत और राजनीतिक अनुभव शेयर किए। उनकी किताब ए मैवरिक इन पॉलिटिक्स में अय्यर ने बताया कि दस साल में एक बार भी निजी तौर पर सोनिया गांधी से मिलने का मौका नहीं मिला, जबकि राहुल गांधी से सिर्फ एक बार ही मिले हैं। अपनी किताब में अय्यर ने नरसिम्हा राव के समय, यूपीए-1 में मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल और उसके बाद के पतन का जिक्र भी किया है। उन्होंने खासतौर से यूपीए-2 के पतन की यादें किताब में लिखी है।

अय्यर ने 2014 के आम चुनावों में कांग्रेस पार्टी के खराब प्रदर्शन का भी जिक्र किया और कहा कि यह एक नुकसानदेह कदम था। 1984 में 404 सीटों से 2014 में 44 सीटों पर गिरने तक कांग्रेस का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। उन्होंने माना कि अगर 2012 में प्रणब मुखर्जी को पीएम बनाया गया होता, तो 2014 की हार शायद इतनी शर्मनाक नहीं होती। उन्होंने अंदेशा जताया कि मनमोहन सिंह की जगह पर राष्ट्रपति का पदभार संभालने से प्रणब मुखर्जी की ऊर्जा और करिश्माई नेतृत्व कांग्रेस पार्टी और सरकार दोनों के लिए सकारात्मक साबित हो सकता था।

उन्होंने बताया कि 2013 में कांग्रेसी नेताओं के खिलाफ कई आरोप लगे, जो कभी कानूनी रूप से साबित नहीं हो सके। अय्यर ने कहा कि सरकार और पार्टी मीडिया के सवालों का सही ढंग से जवाब देने में सक्षम नहीं रही, जिससे विपक्ष के आरोपों ने उनके भरोसे पर चोट की है। कॉमनवेल्थ गेम्स घोटाला और अन्ना हजारे के नेतृत्व में इंडिया अगेंस्ट करप्शन आंदोलन ने सरकार के चुनावी संभावनाओं पर संकट ला खड़ा किया था। उनका मानना है कि इन सभी घटनाओं ने पार्टी की सार्वजनिक छवि को धूमिल कर दिया और 2014 में चुनावों में हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने गांधी परिवार द्वारा अपने राजनीतिक करियर के खात्मे का जिक्र करते हुए कहा कि मैं मानता हूं कि ऐसा ही होता है...मुझे पार्टी से बाहर रहने की आदत हो गई है। मैं अब भी पार्टी का सदस्य हूं। मैं कभी भी इसमें बदलाव नहीं करूंगा और मैं निश्चित रूप से बीजेपी में नहीं जाऊंगा।

नेतन्याहू ने ट्रंप से फोन पर की बात, इजराइल की जीत को लेकर की चर्चा

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ फोन पर बातचीत की. इस दौरान उन्होंने ईरान और उसके सशस्त्र समर्थकों के खिलाफ कार्रवाई जारी रखने के अपने संकल्प को दोहराया. नेतन्याहू ने वीडियो संदेश में कहा कि शनिवार (स्थानीय समय) को उनकी ट्रंप के साथ महत्वपूर्ण बातचीत हुई. इस दौरान इजरायल की जीत और गाजा में शेष बंधकों को वापस लाने की आवश्यकता पर भी बात की.

हमास ने 7 अक्टूबर को इजरायल पर एक बड़ा आतंकी हमला किया जिसमें 1200 से अधिक लोग मारे गए और 250 से अधिक लोग बंधक बनाए . माना जाता है कि उनमें से करीब 100 लोग अभी भी गाजा में बंधक हैं. इजराइल ने गाजा में हमास को निशाना बनाकर लगातार जवाबी हमले किए जिसमें 45,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए.

नेतन्याहू का मिडल ईस्ट को बदल देंगे वाला बयान : नेतन्याहू ने एक बयान में कहा, मैंने कल रात अपने मित्र अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ इन सब पर फिर से चर्चा की. यह एक मैत्रीपूर्ण, गर्मजोशी और बहुत महत्वपूर्ण बातचीत थी. इस दौरान कई मुद्दों पर चर्चा की. नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल हमारे बंधकों को घर वापस लाने के लिए अथक प्रयास कर रहा है, चाहे वे जीवित हों या मृत.

इजरायली प्रधानमंत्री ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जोरदार तरीके से कहा कि वे मिडल ईस्ट को बदल देंगे. नेतन्याहू ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मैंने कहा था कि हम मध्य पूर्व को बदल देंगे और यही हो रहा है. सीरिया वही सीरिया नहीं रहा. लेबनान वही लेबनान नहीं रहा. गाजा वही गाजा नहीं रहा. ईरान वही ईरान नहीं रहा.

हिजबुल्लाह को हथियारबंद होने से रोकने के लिए नेतन्याहू आमादा : नेतन्याहू ने कहा कि वह हिजबुल्लाह को फिर से हथियारबंद होने से रोकने के लिए प्रतिबद्ध हैं. उन्होंने कहा, यह इजरायल के लिए एक सतत परीक्षा है. हमें इसका सामना करना होगा. हम इसका सामना करेंगे. मैं हिजबुल्लाह और ईरान से साफ शब्दों में कहता हूं आपको हमें नुकसान पहुंचाने से रोकने के लिए, हम हर क्षेत्र में और हर समय आपके खिलाफ कार्रवाई करना जारी रखेंगे.

वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार 8 दिसंबर को हयात तहरीर अल-शाम के नेतृत्व में विद्रोहियों द्वारा दो दशक से अधिक पुराने बशर अल-असद शासन को उखाड़ फेंकने के बाद से इजरायल ने सीरिया में सैकड़ों हवाई हमले किए हैं. गोलान हाइट्स से आगे बढ़कर भूमि पर आक्रमण किया है. इजरायली सेना ने तेजी से खाली छोड़े गए सैन्य ठिकानों पर नियंत्रण कर लिया।

असद सरकार के सत्ता से हटने का असर, कतर ने 13 साल बाद खोला अपना दूतावास

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया में बशर अल असद सरकार के सत्ता से हटने और बागी समूहों द्वारा सत्ता कब्जाने के बाद अब दुनियाभर के देशों ने भी नई सरकार को स्वीकार कर लिया है और उनके साथ कूटनीतिक संबंध स्थापित करने शुरू कर दिए हैं। संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत सीरिया की राजधानी दमिश्क पहुंच चुके हैं। विशेष दूत ने सीरिया के नए नेता और हयात तहरीर अल शाम के प्रमुख अबू मोहम्मद अल जोलानी से भी मुलाकात की। इस मुलाकात में उन्होंने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि देश में एक विश्वसनीय न्याय प्रणाली स्थापित हो, अपराधों के लिए न्याय और जवाबदेही हो और बदले की भावना से काम न किया जाए। कतर के दूतावास भी 13 साल बाद मंगलवार से फिर से दमिश्क में काम करना शुरू कर देगा। कतर ने 13 साल पहले सरकार विरोधी विद्रोह के शुरुआती दौर में दमिश्क में अपना दूतावास बंद कर दिया था। इस विद्रोह के बाद ही सीरिया में गृहयुद्ध शुरू हुआ था, जो 13 साल चला। गृहयुद्ध के दौरान दुनिया के अन्य देशों ने बशर अल असद सरकार के साथ अपने संबंध जारी रखे, लेकिन कतर ने ऐसा नहीं किया।

संक्षिप्त समाचार

गिलगित–बाल्टिस्तान में भूस्खलन की चपेट में आने से पांच लोगों की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के गिलगित–बाल्टिस्तान क्षेत्र के स्कर्दू में रोंडो मालुपा के पास रविवार को एक वाहन भूस्खलन की चपेट में आ गया, जिससे इसमें सवार कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि वाहन स्कर्दू से शांगस की ओर जा रहा था तभी अचानक यह गिरते हुए मलबे के नीचे दब गया। पुलिस ने इस घटना को ''भयावह'' करार दिया क्योंकि भारी मात्रा में मलबा गिरने से वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था, जिससे उसमें मौजूद लोगों को बचने का मौका नहीं मिला। उसने बताया कि राहत–बचवा अभियान के लिए घटनास्थल पर तुरंत बचाव दल को भेजा गया। अधिकारियों ने पुष्टि की कि इस घटना में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई।

रूस ने केर्च जलडमरूमध्य में तूफान से दो तेल टैंकरों को हुए नुकसान के बाद बचाव अभियान शुरू किया

मास्को, एजेंसी। केर्च जलडमरूमध्य में आए तूफान के कारण दो रूसी तेल टैंकरों को भारी नुकसान पहुंचा, उनसे तेल का रिसाव हुआ और एक आपात बचाव अभियान शुरू किया गया। रूसी अधिकारियों ने रविवार को एक सरकारी समाचार एजेंसी को यह जानकारी दी। रूसी समाचार एजेंसी 'तास' ने देश के आपात स्थिति मंत्रालय का हवाला देते हुए बताया कि वोल्गोनेफ्ट–212 टैंकर तूफान में फंस गया और उसका अगला हिस्सा फट गया। टैंकर पर चालक दल के 13 सदस्य सवार थे और ईंधन भरा हुआ था। अधिकारियों ने बताया कि यह क्षति खराब मौसम के कारण हुई। आपात मंत्रालय ने बताया कि दूसरा टैंकर वोल्गोनेफ्ट 239 भी तूफान में क्षतिग्रस्त हो गया। इस पर चालक दल के 14 सदस्य सवार थे। केर्च जलडमरूमध्य रूस के कब्जे वाले क्रीमिया प्रायद्वीप को रूस से अलग करता है और यह विश्व का एक महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है। यह जलडमरूमध्य आजोव सागर से काला सागर को जोड़ता है।

यूक्रेन ने ड्रोन से रूस के चेचन्या पर किया हमला

कीव, एजेंसी। यूक्रेन ने एक ड्रोन से रविवार को रूस के चेचन्या क्षेत्र में नेशनल गार्ड के एक परिसर पर हमला किया। रूस की ओर से किए जा रहे बड़े पैमाने पर हवाई हमले के बाद कीव ने जवाबी हमले जारी रखे हैं। सोशल मीडिया पर उपलब्ध वीडियो फुटेज में एक ड्रोन को विस्फोट से पहले चेचन्या की राजधानी ग्रोज्नी के आसमान में देखा गया। इस हमले में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। हमले का यह क्षेत्र यूक्रेन की सीमा से लगभग 800 किलोमीटर दक्षिण–पूर्व में स्थित है। चेचन्या के नेता रमजान कादिरोव ने पुष्टि की कि ड्रोन ने अखमत ग्रोज्नी पुलिस बटालियन से संबंधित एक स्थान पर हमला किया था। उन्होंने कहा कि हवाई सुरक्षा बलों ने दो अन्य ड्रोन को मार गिराया है।

द. कोरिया के अपदस्थ राष्ट्रपति युन को पुलिस का समन, विपक्ष ने की कोर्ट से जल्द फैसले की मांग

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया में मार्शल लॉ लागू किए जाने के कारण महाभियोग के जरिये राष्ट्रपति पद से हटाए गए युन सूक येओल को पुलिस ने पूछताछ के लिए समन भेजा है।

हालांकि, वे पुलिस के समक्ष हाजिर नहीं हुए। पुलिस ने फिर समन भेजने की बात कही है। इस बीच, द. कोरिया के विपक्षी नेता ने येओल को पद से हटाने के संबंध में शीर्ष अदालत से शीघ्र निर्णय लेने का आग्रह किया है। विपक्षी दल डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता ली जे–म्यांग ने कहा कि अराजकता को कम करने का एकमात्र तरीका त्वरित निर्णय है। एजेंसी येओल के खिलाफ महाभियोग चलाने के प्रस्ताव पर शनिवार को संसद में मतदान हुआ, जिसके समर्थन में 204 व विरोध में 85 वोट पड़े। राष्ट्रपति के तौर पर येओल की शक्तियां तब तक निलंबित रहेंगी, जब तक सांविधानिक अदालत उन्हें पद से हटाने अथवा उनकी शक्तियों को बहाल करने का फैसला नहीं सुना देती। अदालत के पास यह तय करने के लिए 180 दिन का समय है। कार्यवाहक राष्ट्रपति हान ने रविवार को देश के सहयोगियों व वित्तीय बाजार को भरोसा दिया कि व्यवस्थाएं पहले की तरह काम करती रहेंगी। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन से फोन पर वार्ता में कहा कि दक्षिण कोरिया की विदेश व सुरक्षा नीतियां निर्बाध जारी रहेंगी तथा दक्षिण कोरिया और अमेरिका के बीच गठबंधन और मजबूत होगा।

अफगानिस्तान : कोयला खदान में बड़ा हादसा, 35 खनिक मलबे में फंसे

आयबक, एजेंसी। अफगानिस्तान के समांगन प्रांत में एक कोयला खदान के मलबे में कई खनिक फंस गए हैं। स्थानीय अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, प्रांतीय स्वास्थ्य निदेशक सईद उस्मान हामिदी ने मलबे के नीचे 35 खनिकों के फंसे होने की पुष्टि की।

उन्होंने बताया कि बचाव दल और स्वास्थ्य कर्मियों को क्षेत्र में भेज दिया गया है। प्रांतीय पुलिस कार्यालय की ओर से रविवार को जारी एक बयान में कहा गया, शुरूआती रिपोर्टों से पता चलता है कि समांगन प्रांत के दारा-ए-सूफी पायिन जिले में कल मजदूर कोयला खदान में काम कर रहे थे, लेकिन खदान का एक हिस्सा ढह गया, जिसके परिणामस्वरूप कई खनिक मलबे में फंस गए।

बयान में आगे कहा गया कि पुलिसकर्मी, स्थानीय अधिकारी और ग्रामीण मलबे में फंसे खनिकों को बचाने के लिए घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। स्थानीय तालिबान अधिकारियों के अनुसार, मलबे में फंसे श्रमिकों को बचाने के लिए बचाव अभियान जारी है, लेकिन अभी तक किसी को भी मुक्त नहीं कराया जा सका है। बख्तर न्यूज एजेंसी के अनुसार, यह घटना शनिवार शाम 6 बजे के आसपास हुई। इस सप्ताह की शुरुआत में बामियान प्रांत के ख्वाजा गंज गांव में एक कोयला खदान में गैस के संपर्क में आने से दो मजदूरों की मौत हो गई थी। फरवरी 2002 में, अफगानिस्तान में एक कोयला खदान के ढहने से कम से कम 10 खनिकों की जान चली गई थी। 2019 में अफ़गानिस्तान में एक सोने की खदान के ढहने से कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई थी। यह धमाका बदख्शां प्रांत के कोहिस्तान जिले में हुआ था। अफगानिस्तान में खनिजों के विशाल संसाधन हैं, लेकिन कई खदानें पुरानी हैं और उनका रखरखाव ठीक से नहीं किया जाता है। अफगानिस्तान के खनन क्षेत्र में घातक दुर्घटनाएं अक्सर होती हैं। इन घटनाओं के कारण अक्सर अपर्याप्त सुरक्षा उपाय और उचित उपकरणों की कमी होती है।

रूस ने सीरिया से अपने कुछ राजनयिकों को निकाला

मास्को , एजेंसी। रूस के विदेश मंत्रालय ने बताया कि रूस ने सीरिया की राजधानी दमिश्क से अपने कुछ राजनयिकों को निकाल लिया है, जबकि उसका दूतावास अभी भी काम कर रहा है। मंत्रालय ने रविवार को एक बयान में कहा कि राजनयिकों को सीरिया के खमीमिम एयरबेस से रूसी एयरोस्पेस फोर्सेज की उड़ान से मॉस्को ले जाया गया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उड़ान में बेलारूस और उत्तर कोरिया के राजनयिक भी सवार थे। मंत्रालय के संकट स्थिति विभाग ने टेलीग्राम पर कहा कि 15 दिसंबर को दमिश्क में रूसी (राजनयिक) प्रतिनिधित्व के कुछ कर्मियों की वापसी सीरिया में हमीमिम एयरबेस से रूसी वायु सेना की एक विशेष उड़ान द्वारा की गई। मंत्रालय ने अनुसार विमान मॉस्को के निकट हवाई अड्डे पर पहुंचा, लेकिन उसमें कितने लोग सवार थे, यह नहीं बताया। टेलीग्राम पर प्रकाशित प्रेस वक्तव्य में कहा गया है कि दमिश्क में रूसी दूतावास अभी भी काम कर रहा है। 11 दिनों की आक्रामकता के बाद, इस्लामिक समूह हयात तहरीर अल-शाम एचटीएस) द्वारा नेतृत्व किए गए एक विद्रोही गठबंधन ने असद को सत्ता से हटा दिया, जो अपने परिवार के साथ रूस भाग गए। असद का सत्ता से पतन मॉस्को के लिए एक बड़ा झटका था, क्योंकि रूस और ईरान पूर्व सीरियाई राष्ट्रपति के मुख्य सहयोगी थे।

बकिंघम पैलेस में चीनी जासूस, मची हलचल, प्रिंस एंड्र्यू के करीबी के तहत ली एंट्री

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की राजनीति में इस समय हलचल मची है. बता दें, एक चीनी जासूस को लेकर सारा मामला चर्चा का विषय बना है. पता चला है कि चीन का एक जासूस किंग चार्ल्स तृतीय के छोटे भाई प्रिंस एंड्र्यू के करीबी के तहत बकिंघम पैलेस में एंट्री ली. इसके साथ-साथ उसने पूर्व प्रधानमंत्री कैमरून और थेरेसा में से भी मुलाकात की थी. अभी तक इस जासूस की पहचान नहीं हो सकी है, लेकिन इसे एच6 के नाम से पहचाना जाता है. हालांकि कैमरून और थेरेसा में की तरफ से अभी तक कोई बयान सामने नहीं आया है. इस बीच, थेरेसा मे के प्रवक्ता ने कहा कि उन्हें यह याद नहीं है कि यह तस्वीर कब और कहां ली गई थी या वह व्यक्ति कौन था. इससे पहले, ड्यूक ऑफ यॉर्क एंड्र्यू ने एक बयान में कहा था कि उन्होंने कथित जासूस के साथ सभी संपर्क बंद कर दिए हैं.

डेविड कैमरून के एक करीबी, जो अब लॉर्ड कैमरून हैं, ने स्काई न्यूज को बताया कि एक दशक से ज्यादा समय तक कंजर्वेटिव पार्टी के नेता और छह साल तक प्रधानमंत्री रहे. उस दौरान उन्होंने सैकड़ों समारोहों और कार्यक्रमों में हजारों लोगों से मुलाकात की. हमारे पास इस व्यक्ति के बारे में कोई और जानकारी नहीं है.

यह खुलासा इस सप्ताह की शुरुआत में सामने आया, जिसके

बाद इस जासूस एच6 को राष्ट्रीय सुरक्षा के खतरे के चलते यूके में आने से रोक दिया गया था. जुलाई में एक विशेष आव्रजन अपील आयोग (एसआईएसी) ने सुनवाई की कि उस व्यक्ति को 2020 में प्रिंस एंड्र्यू की जन्मदिन की पार्टी में आमंत्रित किया गया था और एक शाही सहयोगी ने उसे बताया था कि वह चीन में संभावित निवेशकों के साथ काम करते समय ड्यूक की ओर से काम कर सकता है. एक बयान में, प्रिंस एंड्र्यू के कार्यालय ने कहा कि ड्यूक ने आधिकारिक चैनलों के माध्यम से उस व्यक्ति से मुलाकात की थी और किसी भी संवेदनशील प्रकृति की कोई चर्चा नहीं हुई थी. वहीं, ब्रिटेन में चीनी दूतावास ने जासूसी के आरोपों से इनकार करते हुए कहा है कि ब्रिटेन में कुछ लोग हमेशा चीन को निशाना बनाकर आधारहीन जासूसी कहानियां गढ़ने के लिए उत्सुक रहते हैं. प्रवक्ता ने आगे कहा उनका उद्देश्य चीन को बदनाम करना और चीनी और ब्रिटिश कर्मियों के बीच सामान्य आदान-प्रदान को बाधित करना है.

हालांकि, पूर्व मंत्री गिलियन कीगन ने रविवार को कहा कि ब्रिटेन को हमेशा सतर्क रहना चाहिए, और यह आश्चर्यजनक है कि लोग चीन की गतिविधियों से हैरान हैं, क्योंकि चीन जाने वाले लोगों को सुरक्षा सलाह 30 साल पहले से दी जा रही है. वे हमारे लिए सबसे बड़ा रणनीतिक खतरा हैं. वे रूस से भी कहीं ज़्यादा बड़ा रणनीतिक खतरा हैं. ब्रिटेन की गृह सचिव यवेट कूपर ने लेबर सरकार के रुख को स्पष्ट करते हुए कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि देश की सुरक्षा और खुफिया एजेंसियां ब्रिटेन की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए किसी भी खतरे के प्रति निरंतर सतर्क रहें.

इमरान की पार्टी पर हिंसा की राजनीति का आरोप : 26 नवंबर की हिंसा को सरकार ने काला दिन बताया

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के सूचना एवं प्रसारण मंत्री अताउल्लाह तारड़ ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी पर हिंसा की राजनीति को बढ़ाने का आरोप लगाया है। अताउल्लाह ने कहा कि पीटीआई के प्रदर्शन कभी शांतिपूर्वक नहीं रहे हैं। मंत्री ने आरोप लगाते हुए कहा कि पीटीआई कार्यकर्ताओं ने 26 नवंबर को इस्लामाबाद में आधुनिक हथियारों, स्टेन गन आंसू गैस और ग्रेनेड से लैस होकर हिंसा फैलाई। अताउल्लाह ने 9 मई और 26 नवंबर को पाकिस्तान के इतिहास का सबसे काला दिन बताया।

अताउल्लाह ने आरोप लगाते हुए कहा, पीटीआई लाशों की राजनीति करना चाहती है और देश में अशांति फैलाकर अपने राजनीतिक हित साधना चाहती है। इमरान का पलटवार- सरकार जाति के आधार पर बांट रही जेल में बंद पीटीआई के संस्थापक इमरान खान ने हिंसा के आरोपों पर पलटवार करते सरकार पर देश को जाति के आधार पर बांटने का आरोप लगाया। इमरान ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा

कि सरकार पख्तूनों को जाति के आधार पर निशाना बना रही है। इमरान ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि कोई भी सरकार की फूट डालो और राज करो की नीति का हिस्सा न बने। हम सभी पहले पाकिस्तानी हैं। इसके अलावा इमरान ने सरकार को अवज्ञा आंदोलन (सरकार की नाफरमानी) की धमकी दी है। इमरान ने सरकार के सामने 2 प्रमुख मांगें भी रखी है। इनमें से पहली है कि पिछले साल 9 मई और इस साल 26 नवंबर को हुई हिंसाओं की जांच सुप्रीम कोर्ट के सीनियर जजों की अध्यक्षता में कराई जाई। वहीं दूसरी मांग है कि गैर कानूनी तरीके से जेल में बंद में पीटीआई के कार्यकर्ताओं और नेताओं के रिहा किया जाए।

पीटीआई नेता बोले- नाफरमानी आंदोलन इमरान की मांग इमरान की पार्टी के नेता और खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने कहा कि नाफरमानी आंदोलन इमरान खान ने बुलाया है, मैंने नहीं। उन्होंने कहा कि जब पूरी जानकारी मिल जाएगी, तब इस पर काम करेंगे। हम इमरान के आदेशों का पालन करेंगे। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता बातचीत है, लेकिन सरकार को अपनी ताकत दिखानी होगी। क्ष्ज्ञ्द्ध के नेता और नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता उमर अयूब ने सोमवार को कहा कि पार्टी राजनीतिक संकट को सुलझाने के लिए किसी के साथ भी बातचीत करने को तैयार है। पिछले कुछ महीनों से सरकार और पीटीआई के बीच तनाव लगातार बढ़ा है। इसे एक बार फिर पाकिस्तान में राजनीतिक अस्थिरता का दौर शुरू होने के तौर पर देखा जा रहा है।

फ्रांसीसी क्षेत्र मायोट में तूफान का कहर, 14 लोगों की मौत

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के हिंद महासागरीय क्षेत्र मायोट में आए चिडो तूफान से 14 लोगों की मौत हो गई. 220 किलोमीटर प्रति घंटे से ज्यादा की रफ्तार से चलने वाली हवाओं के कारण पेटीट-टेरे द्वीप पर सबसे ज्यादा नुकसान हुआ. अधिकारियों ने द्वीप पर रेड अलर्ट जारी किया. फ्रांस ने राहत एवं बचाव कार्यों में मदद के लिए 140 नागरिक सुरक्षा सैनिकों और अग्निशमन कर्मियों सहित अतिरिक्त बल भेजा है. इनके रविवार को मायोट पहुंचने की उम्मीद है. फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि फ्रांस मायोट के लोगों के लिए वहां मौजूद रहेगा. फ्रांसीसी अधिकारियों ने कहा कि 250 अग्निशमन कर्मी और सुरक्षाकर्मी द्वीपों पर भेजे जाएंगे, जिनमें से कुछ पहले ही पहुंच चुके हैं.

समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने फ्रांसीसी मीडिया बीएफएम टीडब्ल्यू के हवाले से बताया कि अंतर-मंत्रालयी संकट बैठक के बाद, फ्रांस के आंतरिक मंत्री ब्रूनो रिटेलेउ ने मीडिया को बताया कि स्थिति खतरनाक और असाधारण है. हालांकि, उन्होंने फिलहाल किसी निश्चित मानवीय क्षति का खुलासा नहीं किया. उनके कार्यालय ने फ्रांसीसी मीडिया को बताया कि सोमवार को उनका मायोत का दौरा करने का कार्यक्रम है.

बता दें कि उष्णकटिबंधीय तूफान चिडो एक छोटा लेकिन शक्तिशाली तूफान है जो वर्तमान में मोजाम्बिक के लिए भी खतरा है. यह तूफान पश्चिम की ओर बढ़ता जा रहा है. तेज गति से बढ़ने के बाद, चिडो ने 11 दिसंबर को मॉरीशस के अगालेगा में लैंडफॉल बनाया. अगले दिन इसकी तीव्रता चरम पर थी. उत्तरी मेडागास्कर से गुजरने के बाद, चिडो कुछ समय के लिए कमजोर हुआ, लेकिन जल्दी ही अपनी तीव्रता वापस पा ली.

तूफान ने 14 दिसंबर को बांद्राबौआ, मायोटे के पास दूसरी बार लैंडफॉल बनाया. उस दिन बाद में फिर से थोड़ा कमजोर हो गया. मायोट को शुरू में बैंगनी अलर्ट (उच्चतम स्तर) के तहत रखा गया था और आपातकालीन सेवाओं सहित पूरी आबादी के लिए सख्त लॉकडाउन लगा दिया गया था. बाद में बैंगनी को लाल अलर्ट में बदल दिया गया.

बांग्लादेश में अगले साल हो सकते हैं आम चुनाव : चीफ एडवाइडर बोले- इलेक्शन से पहले जरूरी सुधार होने चाहिए

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश आज अपनी आजादी की 53वीं वर्षगांठ मना रहा है। राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन और और अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने सोमवार को राजधानी ढाका में राष्ट्रीय स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। बांग्लादेश ने 1971 में आज ही के दिन भारत की मदद से पाकिस्तान से आजादी हासिल की थी। मोहम्मद यूनुस ने इस मौके पर बांग्लादेश के लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आम चुनाव की तारीखें 2025 के अंत तक या 2026 की पहली छमाही तक तय हो सकती हैं। मैंने हमेशा इस बात पर जोर दिया है कि चुनाव से पहले कुछ जरूरी सुधार किए जाने चाहिए। अगर राजनीतिक पार्टियां कुछ जरूरी सुधार पर सहमत हो जाएं तो 2025 में चुनाव नवंबर के अंत तक कराए जा सकते हैं।

5 अगस्त 2024 को पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का तख्तापलट के बाद बांग्लादेश में फिलहाल अंतरिम सरकार स्थापित की गई। मोहम्मद यूनुस इस सरकार का सलाहकार नियुक्त किए गए हैं। बांग्लादेश के विजय दिवस समारोह में शामिल होने के लिए आज 1971 युद्ध में शामिल आठ भारतीय सिपाही और दो सेवारत अधिकारी ढाका पहुंचे हैं। वहीं बांग्लादेश से मुक्तिवाहिनी के 8 स्वतंत्रता सेनानी और सेना के दो अफसर कोलकाता पहुंचे हैं।

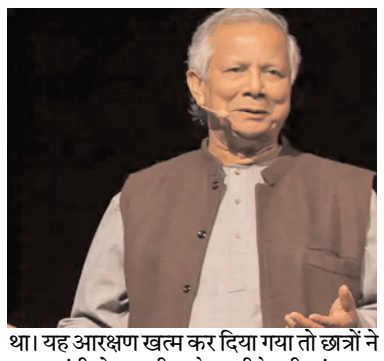

आरक्षण के खिलाफ आंदोलन ने किया था तख्तापलट बांग्लादेश में 5 जून को हाईकोर्ट ने जॉब में 30त्न कोटा सिस्टम लागू किया था, इसके बाद से ही ढाका में यूनिवर्सिटीज के स्टूडेंट्स प्रोटेस्ट कर रहे थे। यह आरक्षण स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को दिया जा रहा

था। यह आरक्षण खत्म कर दिया गया तो छात्रों ने प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे की मांग शुरू कर दी। देखते ही देखते बड़ी संख्या में छात्र और आम लोग प्रधानमंत्री और उनकी सरकार के खिलाफ सड़क पर उतर आए। इस प्रोटेस्ट के दो महीने बाद 5 अगस्त को शेख हसीना ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और बांग्लादेश छोड़कर भारत आ गईं। इसके बाद सेना ने देश की कमान संभाल ली। बांग्लादेश में भारत के लोकसभा चुनाव जैसी ही चुनावी प्रक्रिया बांग्लादेश में भी भारत के लोकसभा चुनाव जैसी ही चुनावी प्रक्रिया है। यहां संसद सदस्यों का चुनाव भारत की तरह ही फर्स्ट-पास्ट-द-पोस्ट प्रणाली के जरिए होता है। यानी जिस उम्मीदवार को एक वोट भी ज्यादा मिलेगा, उसी की जीत होगी। चुनाव परिणाम आने के बाद सबसे बड़ी पार्टी या गठबंधन के सांसद अपने नेता का चुनाव करते हैं और वही प्रधानमंत्री बनता है। राष्ट्रपति देश के प्रधानमंत्री पद की शपथ दिलाते हैं।

यहां की संसद में कुल 350 सीटें हैं। इनमें से 50 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। आरक्षित सीटों पर चुनाव नहीं होता, जबकि 300 सीटों के लिए हर पांच साल में आम चुनाव होते हैं। भारत की संसद में लोकसभा के अलावा राज्यसभा भी होती है, लेकिन बांग्लादेश की संसद में सिर्फ एक ही सदन है। बांग्लादेश में सरकार का मुखिया कौन होता है? जवाब : भारत की तरह ही बांग्लादेश में भी प्रधानमंत्री ही सरकार के मुखिया होते हैं। राष्ट्रपति देश का प्रमुख होता है, जिसका चुनाव राष्ट्रीय संसद द्वारा किया जाता है। बांग्लादेश में राष्ट्रपति सिर्फ एक औपचारिक पद है और सरकार पर उसका कोई वास्तविक नियंत्रण नहीं होता है। 1991 तक राष्ट्रपति का चुनाव यहां भी सीधे जनता करती थी, लेकिन बाद में संवैधानिक बदलाव किया गया। इसके जरिए राष्ट्रपति का चुनाव संसद द्वारा किया जाने लगा। शेख हसीना 20 साल तक बांग्लादेश की प्रधानमंत्री रहीं थीं।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

उधना क्षेत्र में फाइनेंस ऑफिस के बाहर हुए फायरिंग केस में मुख्य दो आरोपी गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

आरोपी नेपाल भागने की योजना बना रहे थे। दो वांछित आरोपी, गुरमुख और शुभम सिंह को उत्तर प्रदेश के लालगंज से गिरफ्तार कर लिया गया है।

उधना क्षेत्र में आराध्या कॉर्पोरेशन फाइनेंस ऑफिस के बाहर हुए चर्चित फायरिंग केस के मुख्य आरोपियों को पकड़ने की उच्च प्राथमिकता वाली कार्रवाई को पुलिस ने सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। इस अपराध में शामिल दो वांछित आरोपी गुरमुख उर्फ गुरु सिंह और शुभम उर्फ माफिया सिंह को उत्तर प्रदेश के लालगंज क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया।

आरोपियों ने फायरिंग के बाद नेपाल भागने की योजना बनाई थी। वे इसके लिए लखनऊ में अपने एक मित्र के घर में छिपे हुए थे, लेकिन उधना पुलिस ने तकनीकी निगरानी (टेक्निकल सर्विलेंस)की मदद से उनकी योजना को नाकाम कर दिया।

यह घटना 28 नवंबर, 2024 की है, जब रात करीब साढ़े सात बजे बमरौली रोड पर स्थित आराध्या कॉर्पोरेशन की ऑफिस के बाहर बाइक पर सवार अज्ञात हमलावरों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की थी।

घटना के बाद उधना पुलिस और सूरत क्राइम ब्रांच ने तुरंत अलग-अलग टीमें बनाकर जांच शुरू की। जांच में पता चला कि मुख्य आरोपी गुरमुख ने शिकायतकर्ता दीपक पवार से बार-बार उधार पैसे मांगे थे। जब दीपक ने पैसे देने से मना कर दिया, तो गुरमुख को अपमानित महसूस हुआ।

अपमान का बदला लेने के लिए, गुरमुख ने अपने पिता और दोस्तों की मदद से इस अपराध को अंजाम दिया। गुरमुख ने शुभम उर्फ माफिया, अजय गायकवाड़ ,हिमालय उर्फ सनी ,गणेश उर्फ गनिया, और अमृतांश उर्फ लुलिया के साथ मिलकर फायरिंग की योजना बनाई थी।

आरोपियों की गिरफ्तारी इस केस के मुख्य आरोपी गुरमुख उर्फ गुरु और शुभम उर्फ माफिया फायरिंग के बाद अपने-अपने वतन भागने की फिराक में थे। गुरमुख महाराष्ट्र का निवासी है, जबकि शुभम उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। पुलिस को टेक्निकल सर्विलांस और मुखबिरों से पता चला कि दोनों आरोपी लखनऊ में छिपे हुए हैं और नेपाल भागने की योजना बना रहे हैं। डीसीपी भगीरथ गढ़वी ने बताया कि आरोपी लगातार अपना ठिकाना बदल रहे थे। गुरमुख का पहले भी गंभीर आपराधिक इतिहास रहा है। 2020 में उसके खिलाफ डिंडोली पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 302 (हत्या) के तहत केस दर्ज था। इसी तरह, शुभम उर्फ माफिया के खिलाफ 2022 में पांडेसरा पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 302 के तहत मामला दर्ज किया गया था।

डायमंड मंदी के बीच B2C आधार पर एक्जीबिशन

'स्पार्कल इंटरनेशनल जेम्स एंड ज्वेलरी एक्जीबिशन-2024' का उद्घाटन इशा देओल द्वारा किया

पीएम की चांदी की मूर्ति आकर्षण का केंद्र बनेगी।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

द साउथर्न गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा आगामी 20, 21 और 22 दिसंबर 2024 को सुबह 11 बजे से रात 8 बजे तक पंडित दीनदयाल उपाध्याय इंडोर स्टेडियम, अठवा लाइन्स, सूरत में 'स्पार्कल इंटरनेशनल जेम्स एंड ज्वेलरी एक्स-HIBITION-2024' का आयोजन किया गया है। इस बार चैंबर के स्पार्कल एक्सHIBITION का उद्घाटन लोकप्रिय फिल्म अभिनेत्री ईशा देओल के हाथों किया जाएगा।

हीरा उद्योग को गति मिलने की उम्मीद

चैंबर द्वारा पिछले साल की तरह इस साल भी बी2सी मोड में 'स्पार्कल एक्सHIBITION' का आयोजन किया गया है, जिसमें सूरत के अलावा मुंबई, जयपुर, बिकानेगर और नागपुर के 30 से अधिक ज्वेलर्स भाग लेंगे। इन सभी ज्वेलर्स द्वारा अनूठे आभूषण डिज़ाइन का प्रदर्शन किया जाएगा। सूरत के आभूषणों में क्या विशेषता है, यह स्पार्कल के आयोजन से पूरी दुनिया को पता चलता है। बी2सी मोड में एक्सHIBITION का आयोजन करने का मुख्य उद्देश्य यह है कि स्पार्कल प्रदर्शनी में ग्राहक को एंड-टू-एंड प्रोडक्ट्स देखने को मिलें। स्पार्कल एक ज्वेलरी ब्रांड को प्रमोट और अपडेट करने के लिए प्रेरणादायक है। चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा स्पार्कल के इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से ज्वेलरी को एक नए आयाम तक पहुँचाने का प्रयास किया जा रहा है।

शादी के लिए खास कलेक्शन मिलेगा

चैंबर प्रमुख विजय मेवावाला ने बताया कि इस प्रदर्शनी में एनआरआई और शहरी लोग शादी के लिए खास कलेक्शन देख सकेंगे। महिलाओं के लिए शादी में आभूषण का लुक सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। शादी के आऊटफिट के साथ आभूषण का चयन करने के लिए महिलाएं बहुत शोध करती हैं, इसलिए महिलाएं अपना शोध स्पार्कल प्रदर्शनी में एक ही स्थान पर पूरा कर सकेंगी। ज्वेलर्स द्वारा ब्रांडेड ब्राइडल वेडिंग कलेक्शन यहां प्रदर्शित किया जाएगा। शादी के मौसम में, शहरी लोग और प्रवासी गुजराती और प्रवासी भारतीय एक ही स्थान से आभूषण खरीद सकेंगे, इसके लिए चैंबर द्वारा ज्वेलर्स को यह प्लेटफार्म प्रदान किया गया है।

विजिटर्स को भी रोज़ लकी ड्रॉ का इनाम मिलेगा

तीन दिवसीय स्पार्कल एक्सहिबिशन का दौरा करने वाले विजिटर्स के लिए हर घंटे लकी ड्रॉ का आयोजन किया जाएगा, जिसमें विजेताओं को चांदी के सिक्के दिए जाएंगे। चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा स्पार्कल एक्सहिबिशन के दौरान पहली बार लकी ड्रॉ का आयोजन किया जाएगा, जिसमें एक्सहिबिशन के दौरान हर घंटे लकी ड्रॉ आयोजित किए जाएंगे।

नरेंद्र मोदी की चांदी की मूर्ति आकर्षण का केंद्र बनेगी

स्पार्कल एक्सहिबिशन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 3.75 किलो शुद्ध चांदी से बनी मूर्ति प्रदर्शनी के लिए रखी जाएगी। शहर के एक ज्वेलर द्वारा प्रधानमंत्री की चांदी की प्रतिकृति बनाई गई है। आठ कारीगरों ने तीन महीने की मेहनत के बाद इस अनोखी प्रतिकृति को तैयार किया है, जो स्पार्कल एक्सहिबिशन में आकर्षण का केंद्र बनेगी।

नए ट्रेंड की ज्वेलरी देखने को मिलेगी

नए ट्रेंड में चल रही सभी प्रकार की ज्वेलरी का प्रदर्शन किया जाएगा। खासकर पोल्की कम्बिनेशन वाली ज्वेलरी, हेरिटेज और एंटीक्स ज्वेलरी, मीना कारीगरी वाली ज्वेलरी, नए प्रकार की एलिफैंट और पीकॉक के साथ ज्वेलरी स्पार्कल में प्रदर्शित की जाएगी। NRIऔर महिलाएं गोल्ड में पोल्की-हेरिटेज ज्वेलरी और डायमंड में एमरल्ड-पर्ल का फ्यूजन ब्राइडल ज्वेलरी को अधिक पसंद करती हैं। इन सभी ज्वेलरी का प्रदर्शन स्पार्कल एक्सहिबिशन में किया जाएगा। पोल्की-हेरिटेज ज्वेलरी लंबे समय तक चलने वाली होती है, इसलिए महिलाएं इसकी खरीदारी अधिक करती हैं। इस प्रदर्शनी में ग्राहकों को विभिन्न श्रेणियों की अलग-अलग ज्वेलरी देखने को मिलेगी। वेडिंग के लिए खास नई रेंज तैयार की गई है, जिसमें क्लासिक लुक के साथ-साथ फ्यूजन लुक भी देखने को मिलेगा। शादी के संबंधित अवसरों जैसे हल्दी, मेहंदी, संगीत और रिसेप्शन के लिए ज्वेलरी की विशाल श्रेणी इस एक्सहिबिशन का विशेष आकर्षण रहेगी।

CCTV में सीधे काउंटर पर जाते हुए दिखाई दिया, रेस्टोरेंट में चोरी करने वाला पूर्व कर्मचारी निकला

आरोपी पहचान न हो, इसके लिए टोपी,मास्क,फुल स्लीव टी-शर्ट और ग्लव्स पहनकर आया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में एक रेस्टोरेंट में हुई चोरी की घटना में आरोपी का खुलासा हुआ है। आरोपी ने चोरी को अंजाम देने के लिए अपनी पहचान छुपाने के लिए टोपी, मास्क, फुल स्लीव टी-शर्ट और ग्लव्स पहन रखे थे। हालांकि, सीसीटीवी में वह सीधे काउंटर पर जाते हुए नजर आया, जिससे उसकी पहचान सामने आई। आरोपी पूर्व कर्मचारी था, और चोरियों का खुलासा होने के बाद बर्तन फूटने की घटना भी सामने आई।

सूरत के डुमस इलाके में स्थित मोंटेसा बिल्डिंग में हुई घरफोड़ चोरी की घटना च्यालसा एन्जॉय रेस्टोरेंटज्ज में हुई थी। इस चोरी में लगभग 8.60 लाख रुपये की नकदी लूटी गई थी। चोरी को अंजाम देने वाले आरोपी बहुत ही सूझबूझ से और व्यवस्थित तरीके से तैयार थे, जिस कारण पुलिस के लिए यह केस शुरुआत में च्ब्लाइंड केसज्ज जैसा प्रतीत हुआ। पहचान न हो, इसके लिए वे टोपी, फुल स्लीव टी-शर्ट और मास्क पहनकर आए थे। इसके अलावा, उन्होंने हाथों में ग्लव्स भी पहने थे। लेकिन चोर सीधे काउंटर पर पहुंचे, जिससे सीसीटीवी में उनका चेहरा रिकॉर्ड हो गया और पुलिस को शक हुआ कि ये आरोपी शायद पूर्व कर्मचारी या जानकार हो सकते हैं।

होटल में संजय थापा नाम का व्यक्ति पूर्व कर्मचारी के रूप में काम करता था। वह चोरी के मामले में मुख्य च्जानकारज्ज के रूप में सामने आया। उसने शनिवार-रविवार के दिनों में होटल में ज्यादा ग्राहक आने के कारण होटल में बड़ी रकम रखी जाती है, इस बारे में अपने साथी अर्जुननाथ योगी को जानकारी दी। अर्जुननाथ ने यह जानकारी अपने दोस्त राज खड़का खत्री को दी, और फिर तीनों ने मिलकर चोरी की योजना बनाई।

आरोपियों ने अपनी पहचान छिपाने के लिए खास योजना बनाई थी। चोरी के दौरान उन्होंने फुल स्लीव की टीशर्ट, कैप और मुंह पर मास्क पहना था। घटना स्थल पर फिंगर प्रिंट्स न आ जाएं या पुलिस पहचान न सके, इसके लिए आरोपियों ने ग्लव्स का इस्तेमाल किया था। सीसीटीवी फुटेज से मिली जानकारी ने साबित किया कि चोरी के दौरान आरोपियों ने सभी तैयारियां की थीं, जो केवल एक जानकार व्यक्ति ही कर सकता था।

डुमस पुलिस ने इस अपराध को सुलझाने के लिए चार अलग-अलग टीमें बनाई थीं। मानव और तकनीकी खुफिया जानकारी का इस्तेमाल करते हुए आरोपियों की पहचान की गई। मुख्य आरोपी राज खड़का खत्री को अहमदाबाद से गिरफ्तार किया गया, जबकि अर्जुन नाथ शंभूनाथ योगी को दिव-दमन से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने राज से 4 लाख रुपये की रकम जब्त की, जबकि अर्जुन से 1.50 लाख रुपये की रकम जब्त की। अब भी तीन आरोपी फरार हैं और उनकी तलाश की जा रही है।

डीसीपी राजेश परमारे ने बताया कि इस मामले को सुलझाने में सीसीटीवी फुटेज महत्वपूर्ण साबित हुआ। फुटेज में यह साफ देखा जा सकता है कि चोरों को होटल के अंदर की पूरी जानकारी थी। मुख्य आरोपी राज खड़का ने सीधे काउंटर खोलकर चोरी की थी, जो यह साबित करता है कि उसे यह जानकारी थी कि रकम कहां रखी जाती थी।

आरोपियों का आपराधिक इतिहास जांच में सामने आया है। उन्हें पता था कि सीसीटीवी कैमरे में कैद हो जाने के कारण वे पकड़े जा सकते हैं, इसलिए उन्होंने अपना चेहरा टोपी और मास्क से ढक लिया था। फिंगरप्रिंट न छोड़ने के लिए उन्होंने दस्ताने का इस्तेमाल किया, जो उनकी पूर्व-नियोजित तैयारी को साबित करता है।

वर्तमान समय में डुमस पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और 5.50 लाख रुपये की राशि बरामद की है। बाकी तीन आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस का कहना है कि वे जल्द ही बाकी आरोपियों को पकड़ने में सफल होंगे और पूरी राशि की वसूली कर सकेंगे।

खाटूधाम के जैसा तेज सूरतधाम में गौरव कृष्ण गोस्वामी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, श्री श्याम मंदिर, सूरतधाम में मंगलवार से श्रीमद् भागवत कथा की भव्य शुरुआत हुई। दोपहर दो बजे से व्यासपीठ से वृंदावन के महाराज गौरव कृष्ण गोस्वामी ने भक्तों को भागवत का रसपान करवाया। महाराज ने कहा की मैंने सूरतधाम में बाबा श्याम के दर्शन पहली बार किए। खाटूधाम के जैसा का जैसा तेज यहाँ भी है। किसी भी प्रतिमा या विग्रह में अपनी कोई भी ताक़त नहीं होती है, पूजा करने वालों के श्रद्धा एवं भाव भगवान को साक्षात प्रतिमा में ले आते है। खाटूधाम के जैसे ही यहाँ लगा कि बना साक्षात दरबार लगाकर बैठे है। उन्होंने कहा की भगवत कथा के माध्यम से सूरतधाम में बांके बिहारी वृंदावन से चलकर आए हैं। आज बाबा श्याम, सालासर बालाजी एवं बांके बिहारी का अद्भुत मिलन हुआ है। उन्होंने कहा की जहाँ कथा होती है वही नगर वृंदावन बन जाता है। श्रीमद् भागवत कथा के दौरान हज़ारों भक्त उपस्थित रहें।

आयोजन में मंगलवार को सुबह आठ बजे से भूमिदान संकल्प पूजा विधान का आयोजन किया गया। यजमान परिवारों द्वारा भूमिदान का संकल्प लेकर बाबा श्याम के चरणों में अर्पण किया गया।

इस मौके पर शाम साढ़े सात बजे से विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया। भजन संध्या में स्थानीय गायक कलाकार राकेश अग्रवाल के अलावा कोलकाता के संजू शर्मा ने भजनों की प्रस्तुति दी। संजू शर्मा के मीठे मीठे भजनों एवं धमाल पर देर रात तक भक्त झूमते रहें।

सूरत में पुलिस कांस्टेबल को हुआ हादसा, नौकरी से घर जाते वक्त हुआ मौत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में एक दुखद घटना सामने आई है, जिसमें एक पुलिस कांस्टेबल की मौत हो गई। यह घटना उस समय घटी जब कांस्टेबल अपनी नौकरी के बाद घर लौट रहे थे। सड़क पर एक हादसा हुआ, जिससे उनकी मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। सूरत में दुर्घटनाएं दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही हैं, और अब यह दुर्घटनाएं सामान्य लोगों के साथ-साथ पुलिस कर्मचारियों को भी अपनी चपेट में ले रही हैं। एक दुखद घटना में सच्चिन ओवरब्रिज पर एक पुलिस कांस्टेबल की मृत्यु हो गई, जब वह नौकरी से घर लौट रहे थे। इस दुर्घटना के कारण उनके परिवार में गहरा शोक छा गया।

वेसु पुलिस स्टेशन के पुलिस कांस्टेबल राजुभाई नायका अपनी ड्यूटी खत्म करके घर जा रहे थे, तभी उन्हें सच्चिन ओवरब्रिज पर एक दुर्घटना का सामना करना पड़ा। इस हादसे में राजुभाई गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिसके बाद उन्हें तत्काल 108 एम्बुलेंस के माध्यम से अस्पताल भेजा गया। हालांकि, अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनका निधन हो गया। राजुभाई नायका को नई सिविल अस्पताल में इलाज के लिए लाया गया, लेकिन वे इलाज के दौरान ज्यादा समय तक जीवित नहीं रह सके। यह दुर्घटना उनके परिवार के लिए एक बड़ा आघात साबित हुई है।

पंचायत, ग्रामीण आवास एवं ग्रामीण विकास विभाग ने 26 TDO के तबादलों का आदेश जारी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

यह तबादले प्रशासनिक प्रक्रिया के तहत किए गए हैं और इससे ग्रामीण विकास योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने में मदद मिलेगी।

गुजरात में IAS और IPS अधिकारियों के तबादलों के बाद अब तालुका विकास अधिकारियों (TDO)के तबादले का दौर शुरू हो गया है। पंचायत, ग्रामीण आवास एवं ग्रामीण विकास विभागे 26 TDO के तबादलों का आदेश जारी किया है।

गुजरात विकास सेवा वर्ग-2 के तहत कार्यरत इन 26 तालुका विकास अधिकारियों के नाम और नई नियुक्ति के स्थान निम्नलिखित हैं यह तबादले प्रशासनिक जरूरतों और विकास कार्यों को गति देने के उद्देश्य से किए गए हैं। जो अधिकारी सहायक मतदाता पंजीकरण अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं, उनके संबंध में यह निर्देश दिया गया है